खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 23 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-201

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। आज आप दूसरे दिनों की तुलना में अपने लक्ष्यों को कुछ ज़्यादा ही ऊँचा तय कर सकते हैं। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहें। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। कार्यक्षेत्र में हालात आपके पक्ष में रुख़ करते मालूम होंगे। आप उन लोगों की तरफ़ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। शाम के खाने के साथ चीज़ें मन मुताबिक होंगी ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। बच्चे उम्मीदों पर खरे न उतरकर आपको निराश कर सकते हैं। सपनों को साकार करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन देने की ज़रूरत है । जो अपने काम पर एकाग्र रहेंगे, उन्हें पुरस्कार और फ़ायदा दोनों ही मिलेंगे। शाम का वक्त अच्छा रहे इसके लिए आपको दिनभर मन लगाकर काम करने की जरुरत है। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोच विचारे खर्च करना आपको कितना नुक्सान पहुंचा सकता है. अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। ऐसे लोगों से बात करें, जो आपकी मदद कर सकते हैं। जिनकी सगाई हो चुकी है, वे अपने मंगेतर से बहुत–सी ख़ुशियाँ पाएंगे। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अगर आपकी योजना बाहर घूमने–फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी–ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। कुछ लोग जितना कर सकते हैं, उससे कई ज़्यादा करने का वादा कर देते हैं। आपकी मुलाक़ात एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। जीवनसाथी के साथ आज की शाम वाक़ई कुछ ख़ास होने वाली है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। दफ़्तर में हुए बदलावों से आपको आख़िरकार लाभ ही मिलेगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते है जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफी संभावना है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आँखों के मरीज़ प्रदूषित जगहों पर जाने से बचें, क्योंकि धूँआ आपकी आँखों को और नुक़सान पहुँचा सकता है। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आने वाले पीढ़ी इस तोहफ़े के लिए आपको हमेशा याद रखेगी। प्रेम–जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। आपका जीवनसाथी किसी फ़रिश्ते की तरह आपका बहुत ध्यान रखेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। जब आप अकेलापन महसूस करें तो अपने परिवार की मदद लीजिए , यह समझदारी भरा फ़ैसला लेने में आपकी मदद करेगा। मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करने की आपकी महत्वाकांक्षा फलीभूत हो सकती है। इससे आपको बेहद ख़ुशी मिलेगी और इस काम को पाने के लिए झेली गयी सारी मुसीबतें मिट जाएंगी। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपकी सेहत ठीक रहेगी, लेकिन यात्रा आपके लिए थकाऊ और तनावपूर्ण साबित हो सकती है। जीवनसाथी से पैसों से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर आज बहस होने की आशंका है। आज आपकी फिजुलखर्ची पर आपका साथी आपको लेक्चर दे सकता है। नयी चीज़ों पर ध्यान लगाएँ और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें। तब तक कोई वादा न करें, जब तक आप ख़ुद यह न जानते हों कि आप उसे हर क़ीमत पर पूरा करेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिल–चस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे । सेमिनार और प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और तथ्य मुहैया कराएंगे। जीवनसाथी का बर्ताव आपके पेशेवर रिश्तों पर ग़लत असर डाल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगी। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगी। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 23 जुलाई 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी प्रातः 07:05 तक
नक्षत्र : विशाखा रात्रि 01:43 तक
योग : शुभ रात्रि 07:19 तक
करण : कौलव प्रातः 07:05 तक
चन्द्रराशि : तुला रात्रि 07:01 तक
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : तिलक–आजाद जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गूंजे जिनशासन के जयकारे, गुरु भक्ति और श्रद्धा के बीच

पूज्य मुकेश मुनिजी म.सा. का भव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

खैरताबाद श्रीसंघ की पावन धरा पर चतुर्विध संघ का ऐतिहासिक समागम, तप, त्याग और धर्मसाधना का मिला प्रेरक संदेश

हैदराबाद, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की राजधानी मोतियों की नगरी हैदराबाद की पावन धरा पर पूज्य दादा गुरुदेव मरुधर केसरी मिश्रीमलजी म.सा., लोकमान्य संत, शेरे राजस्थान, वरिष्ठ प्रवर्तक पूज्य श्री रूपचंदजी म.सा. के शिष्य तथा मरुधरा भूषण, शासन गौरव, प्रवर्तक पूज्य श्री सुकन मुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती युवा तपस्वी पूज्य श्री मुकेश मुनिजी म.सा. आदि ठाणा–4 का प्रथम चातुर्मासिक मंगल प्रवेश बुधवार को श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, खैरताबाद एवं श्री मरुधर केसरी रूप–सुकन चातुर्मास समिति, त्रयनगर के तत्वावधान में भव्य एवं ऐतिहासिक रूप से सम्पन्न हुआ।

पिछले वर्ष पुणे के बिबवेवाड़ी में ऐतिहासिक रूप से सफल चातुर्मास सम्पन्न करने के बाद पहली बार तेलंगाना में चातुर्मास के लिए पधारे पूज्य मुकेश मुनिजी म.सा., सेवारत्न हरीश मुनिजी म.सा., प्रज्ञारत्न हितेश मुनिजी म.सा. तथा प्रार्थनार्थी सचिन मुनिजी म.सा. आदि मुनिवृंद ने भव्य एवं गरिमामयी शोभायात्रा के साथ स्थानक भवन में मंगल प्रवेश किया।

चातुर्मासिक मंगल प्रवेश के इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनने के लिए हैदराबाद एवं तेलंगाना ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में गुरु भक्त एवं श्रावक–श्राविकाएँ पहुंचे। शोभायात्रा प्रातः 8:31 बजे खैरताबाद स्थित वासवी भवन से प्रारम्भ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए स्थानक भवन पहुँची।

चतुर्विध संघ के समागम में धर्म, तप और आत्मकल्याण का संदेश

स्थानक भवन में आयोजित धर्मसभा में श्रमण संघीय उपप्रवर्तक श्री गौरव मुनिजी म.सा. आदि ठाणा तथा जिनशासन दीपिका, मधुर व्याख्यानी श्री राजमतीजी म.सा. 'राजुल' आदि ठाणा–3 का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ, जिससे चतुर्विध संघ का भव्य समागम बना। अनेक श्रावक–श्राविकाओं ने दो–दो सामायिक कर धर्म आराधना का लाभ प्राप्त किया।

मंगलाचरण के पश्चात धर्मसभा को संबोधित करते हुए युवा तपस्वी पूज्य श्री मुकेश मुनिजी म.सा. ने कहा कि चातुर्मासिक प्रवेश सामान्य घटना हो सकती है, किंतु इसे ऐतिहासिक बनाने के लिए अधिकाधिक धर्मसाधना, स्वाध्याय, तपस्या और आत्मचिंतन आवश्यक है। इनसे कर्मों की निर्जरा होती है तथा जिनशासन की प्रभावना बढ़ती है। उन्होंने कहा कि चातुर्मास आत्मकल्याण के लक्ष्य को प्राप्त करने का स्वर्णिम अवसर है।

सेवारत्न श्री हरीश मुनिजी म.सा. ने कहा कि चातुर्मास धर्म की गंगा प्रवाहित करने का काल है। दैनिक जीवन में धर्मसाधना के लिए समय निकालते हुए जिनशासन की आराधना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खैरताबाद श्रीसंघ के श्रावक–श्राविकाओं का समर्पण देखकर विश्वास है कि यह चातुर्मास ऐतिहासिक सिद्ध होगा।

उपप्रवर्तक श्री गौरव मुनिजी म.सा. ने चातुर्मास की सफलता की मंगलकामनाएँ देते हुए कहा कि यह चातुर्मास तप, त्याग और धर्मसाधना से परिपूर्ण रहेगा।

प्रज्ञारत्न श्री हितेश मुनिजी म.सा. ने कहा कि चातुर्मास में प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता अनुसार त्याग, तपस्या एवं साधना अवश्य करे। यही जीवन में पुण्यार्जन का श्रेष्ठ समय है।

प्रार्थनार्थी श्री सचिन मुनिजी म.सा. ने भगवान की प्रार्थना से प्रवचन प्रारम्भ करते हुए कहा कि चातुर्मास हमारे जीवन एवं सोच में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बने। उन्होंने गुरुआरती एवं प्रार्थना भी करवाई।

साध्वी विनयश्रीजी म.सा. ने कहा कि चातुर्मास तभी सफल कहलाएगा जब हम अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएँ, व्यसनों का त्याग करें तथा भगवान महावीर के ज्ञान, दर्शन और चारित्र को अपनाएँ। साध्वी जीव्याश्रीजी म.सा. ने भजन की मधुर प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

वक्ताओं ने ऐतिहासिक चातुर्मास की सफलता की कामना की

स्वागत उद्बोधन देते हुए खैरताबाद श्रीसंघ के चेयरमैन नौरतमल गुन्देचा एवं अध्यक्ष शांतिलाल भलगट ने कहा कि यह चातुर्मास हैदराबादवासियों के लिए सौभाग्य का अवसर है तथा सभी को अधिकाधिक धर्मलाभ प्राप्त करना चाहिए।

इस अवसर पर रूपरजत विहार पाली के अध्यक्ष एवं जैन कॉन्फ्रेंस के पूर्व अध्यक्ष नेमीचंदजी चौपड़ा, सिकंदराबाद श्रीसंघ के अध्यक्ष सम्पतराजजी कोठारी, कांठा प्रांत के चेयरमैन कांतिलालजी नाहर, अध्यक्ष मोतीलालजी भलगट, गौतमचंदजी मुथा, शांतिलालजी खिंवेसरा (मारवाड़ जंक्शन), महावीरचंदजी लुंकड़ (बेंगलूरु), चंदनमलजी मुनोत (चेन्नई), राजेशकुमारजी चोरड़िया, हनुमानचंदजी खिंवेसरा (हुबली) तथा गौतमजी गुगलिया सहित अनेक वक्ताओं ने विचार व्यक्त करते हुए चातुर्मास की ऐतिहासिक सफलता की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।

पद्मावती महिला मंडल, खैरताबाद ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा कांठा प्रांत महिला मंडल ने गीतिका की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन सज्जनराजजी गांधी एवं पवनकुमारजी कटारिया ने किया।

समारोह में रूप रजत फाउंडेशन, मारवाड़ जंक्शन के चेयरमैन शांतिलालजी सुराणा, अध्यक्ष सुरेशचंदजी गुन्देचा, रूपरजत विहार पाली के अध्यक्ष नेमीचंदजी चौपड़ा सहित उनकी टीम, हुबली से महेन्द्रकुमारजी सिंघवी तथा बेलगांव से लादूसिंहजी राजपुरोहित सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। खैरताबाद श्रीसंघ के संघपति मीठालाल गांधी, चेयरमैन नौरतमल गुन्देचा, अध्यक्ष शांतिलाल भलगट, कार्याध्यक्ष धर्मीचंद बोहरा, महामंत्री रणजीतमल गुन्देचा, उपाध्यक्ष प्रकाशचंद सेहलोत, शांतिलाल गांधी, उत्तमचंद भलगट, विजयराज मुणोत, मंत्री भरतकुमार झारमुथा, सहमंत्री किशोर गुगलिया, मोहनलाल गुगलिया, कोषाध्यक्ष सुरेशचंद सेहलोत, प्रचार मंत्री राहुल मुणोत तथा श्री मरुधर केसरी रूप–सुकन चातुर्मास समिति, त्रयनगर एवं श्री मरुधर केसरी जैन गुरु सेवा समिति, हैदराबाद के पदाधिकारियों ने अतिथियों एवं विभिन्न क्षेत्रों से पधारे श्रावक–श्राविकाओं का स्वागत किया।

अल्पाहार एवं गौतम प्रसादी का लाभ संघपति अमरचंदजी–कमलाबाई भंडारी की प्रेरणा से राजेश–संतोष, ऋषभ–काजल, रितिक–विनीता एवं समस्त भंडारी परिवार, वेंकटगिरी (हैदराबाद) मूल निवासी सोजत सिटी (राजस्थान) द्वारा प्राप्त किया गया।

मंगल प्रवेश शोभायात्रा में गूंजे भगवान महावीर एवं जिनशासन के जयकारे

भव्य शोभायात्रा के दौरान भगवान महावीर एवं जैन धर्म के जयघोषों के साथ मरुधर केसरी मिश्रीमलजी म.सा., शेरे राजस्थान रूपचंदजी म.सा. तथा आचार्य सम्राट डॉ. शिवमुनिजी म.सा. के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर स्थानीय नागरिकों ने मुनिवृंद का वंदन–अभिनंदन कर मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।

शोभायात्रा में खैरताबाद श्रीसंघ, युवा मंडल, महिला मंडल सहित विभिन्न श्रीसंघों एवं उपसंघों के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर चेन्नई, बेंगलूरु, हुबली, बेलगांव, सूरत, पुणे, कोप्पल, रायचूर, गंगावती, सिंधनूर, पाली तथा जोधपुर सहित देश के अनेक शहरों से श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बेंगलूरु और चेन्नई से 70–70 श्रद्धालुओं के संघ पहुंचे

चातुर्मासिक मंगल प्रवेश समारोह में बेंगलूरु एवं चेन्नई से लगभग 70–70 श्रद्धालुओं के विशेष संघ भी पहुंचे।रूप–सुकन चातुर्मास–2027, बेंगलूरु की ओर से सोहनराजजी मेहता, रिखबचंदजी मेहता, भरतकुमार जी मेहता, अमितकुमार जी मेहता, अजीत कुमार जी मेहता, विकासकुमार जी मेहता एवं चेतनकुमारजी मेहता के नेतृत्व में श्रद्धालुओं का संघ पहुँचा।

इसी प्रकार चेन्नई धोबीपेट श्रीसंघ के अध्यक्ष ललितकुमार मखाना के नेतृत्व में पहुँचे संघ का यात्रा संयोजन एस. सुरेशचंदजी कोठारी ने किया। दोनों संघों में बड़ी संख्या में गुरु भक्त एवं श्रावक–श्राविकाओं ने सहभागिता निभाते हुए चातुर्मासिक मंगल प्रवेश को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया।

निस्वार्थ सेवा ही सच्ची प्रभु भक्ति का मार्ग : लता गोयल

हैदराबाद, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित चंदन कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं सेवा भाव के साथ किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने सामाजिक समरसता, मानव सेवा और परोपकार के संकल्प को और अधिक मजबूत करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए लता गोयल ने कहा कि निस्वार्थ सेवा ही सच्ची प्रभु भक्ति का मार्ग है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति बिना किसी भेदभाव, स्वार्थ और अपेक्षा के जरूरतमंदों की सेवा करता है, उस पर प्रभु की विशेष कृपा बनी रहती है। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद जिस समर्पण, प्रेम और आत्मीयता के साथ निरंतर सेवा कार्य कर रहा है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज को ऐसे संगठनों की आवश्यकता है, जो केवल सेवा को ही अपना धर्म मानकर कार्य करें। सेवा से न केवल जरूरतमंदों का जीवन आसान होता है, बल्कि समाज में प्रेम, भाईचारा, सहयोग और मानवता की भावना भी मजबूत होती है।

प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का कुछ समय और अपनी क्षमता का एक भाग समाज सेवा के लिए अवश्य समर्पित करना चाहिए, क्योंकि यही सच्चे अर्थों में ईश्वर की आराधना है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, अनिल धरशुवाले अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, शर्मिला अग्रवाल, रेनू शर्मा एवं जगन गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के सभी सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

कोल्हापुर में परम पूज्य भावरत्नाश्रीजी म.सा. का चातुर्मास मंगल प्रवेश श्रद्धापूर्वक सम्पन्न

रसूलपुरा जैन संघ, सिकंदराबाद के प्रतिनिधियों ने प्राप्त किया गुरुभगवंत का आशीर्वाद

कोल्हापुर, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री वासुपूज्य स्वामीजी जैन श्वेताम्बर मंदिर, महावीर नगर में परम पूज्य भावरत्नाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा–8 का चातुर्मास मंगल प्रवेश श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर गुरुभगवंत के दर्शन एवं आशीर्वाद का लाभ प्राप्त किया। जैन रत्न रमेश पी. तातेड, सिरोही द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस पावन अवसर पर रसूलपुरा जैन संघ, सिकंदराबाद के महासचिव हेमाबेन–सुधीरभाई रसीकलालजी कोठारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने संघ के ट्रस्ट मंडल एवं अन्य सदस्यों के साथ गुरुभगवंत को माथेन वंदामी कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सिरोही के चौहान परिवार को मिला चातुर्मास का लाभ

इस अवसर पर बताया गया कि परम पूज्य आचार्य भगवंत श्री जगच्चंद्रसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में सिरोही के सम्पूर्ण चातुर्मास के लाभार्थी अभयचंदजी भाणजी चौहान परिवार, नारादरा (सिरोही) रहेंगे।

समारोह के दौरान धर्मभक्ति एवं श्रद्धा का वातावरण बना रहा तथा उपस्थित श्रद्धालुओं ने चातुर्मास को आत्मकल्याण, तप, त्याग एवं धर्म साधना का श्रेष्ठ अवसर बताते हुए गुरुभगवंत से मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंचेरियाल में राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस का मौन प्रदर्शन

मंचेरियाल, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव के निर्देश पर नगर निगम कांग्रेस ने आज गांधी पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। नगर अध्यक्ष तुमुला नरेश और महापौर धरनी मधुकर ने कहा कि नीट पेपर लीक को लेकर दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज दुर्भाग्यपूर्ण है। छात्रों का समर्थन करने पर राहुल गांधी को गिरफ्तार करना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। इसकी निंदा करते हुए उन्होंने आंदोलन जारी रखने की बात कही। इस मौके पर उप महापौर सला रम्या, पार्षद हरि कृष्णा, एम. सत्यनारायण सहित महिला कार्यकर्ता उपस्थित थीं।

भाजपा ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

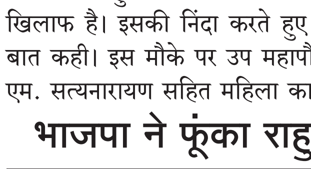

मंचेरियाल, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नीट पेपर लीक मामले में प्रधानमंत्री आवास के सामने धरना देने के विरोध में बुधवार को लक्षेट्टीपेट में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन किया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष रघुनाथ वेराबेल्ली ने कहा कि सरकार चर्चा को तैयार है, फिर भी पीएम आवास के सामने धरना देना लोकतांत्रिक परंपरा के खिलाफ है। उन्होंने कांग्रेस पर इस मुद्दे की आड़ में अशांति फैलाने का आरोप लगाते हुए इसे लोकतंत्र के लिए 'ब्लैक डे' बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीसीपी भास्कर ने किया थाने का निरीक्षण

मंचेरियाल, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम कमिश्नरेट के मंचेरियल जोन के डीसीपी ए. भास्कर ने मंगलवार को मंचेरियल टाउन थाने का निरीक्षण किया। उन्होंने थाने के रिकॉर्ड, सीसीटीवी, रिसेप्शन और पेट्रोलिंग व्यवस्था की समीक्षा की तथा लंबित मामलों की जानकारी ली। डीसीपी ने सभी मामलों को समय पर सीसीटीएनएस में दर्ज करने और डिजिटल साक्ष्य अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने राउडी शीटरों की निगरानी, गांजा व नशे के कारोबार पर सख्त कार्रवाई, विजिबल पुलिसिंग और बीट सिस्टम मजबूत करने पर जोर दिया। व्यापारिक क्षेत्र होने से सोना–चांदी की दुकानों, बैंकों व एटीएम पर दिन–रात सशस्त्र गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए।

वमसी कृष्णा का नीट के खिलाफ प्रदर्शन

नई दिल्ली, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली सांसद गद्दम वमसी कृष्णा ने आज दिल्ली में 'जीवन बचाओ, नीट बंद करो' नारे के साथ विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। काले कपड़े पहनकर किए गए इस प्रदर्शन में प्रियंका गांधी सहित कई कांग्रेस नेता शामिल हुए। सांसद ने कहा कि नीट से छात्रों का भविष्य खतरे में है और केंद्र सरकार को चिकित्सा शिक्षा से जुड़ी समस्याओं का तत्काल समाधान करना चाहिए। 'हमारे बच्चों का भविष्य बिकाऊ नहीं है' का नारा लगाते हुए उन्होंने कहा कि छात्रों को न्याय मिलने तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा।

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 23 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-201

कांग्रेस-सपा में दरार

मोदी-पवार भेंट ने चौंकाया

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की सड़कों पर छात्र आंदोलन की शुरुआत एकजुटता के संदेश के साथ हुई थी, लेकिन महज 24 घंटे में यह आपसी टकराव और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का अखाड़ा बन गया। यहां हितों का टकराव देखने को मिला और आंदोलनकारियों के बीच दरारें दिखने लगीं। नौबत यहां तक आ गई कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता विजेता दहिया को पार्टी से ही निकाल दिया गया। अब विपक्षी दलों में भी यही सिलसिला दोहराया जा रहा है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच समन्वय की कमी खुलकर सामने आ गई है। अखिलेश यादव ने तो सदन में यहां तक कह दिया कि कांग्रेस और सरकार के बीच डील हो गई है। अखिलेश यादव ने यह सवाल भी उठाया कि कांग्रेस के शीर्ष नेता अन्य विपक्षी दलों को बिना बताए और उन्हें बिना भरोसे में लिए पीएम आवास के बाहर धरने पर क्यों चले गए?

पीएम आवास का घेराव और सपा-कांग्रेस में बढ़ा तनाव

दरअसल मंगलवार को कांग्रेस ने नीट के मामले में अपना अलग मोर्चा खोल लिया। मल्लिकार्जुन खड़गे के जन्मदिन के बहाने जमा हुए कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने पीएम आवास की ओर कूच कर दिया और 7 एलकेएम के बाहर धरने पर बैठ गए। कांग्रेस शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही थी। अखिलेश यादव फौरन पीएम आवास के पास पहुंचे और कांग्रेस नेताओं को अपना समर्थन दिया।

लेकिन 24 घंटे के अंदर ही दोनों दलों के बीच तालमेल की कमी उजागर हो गई। बुधवार को अखिलेश यादव के रुख से साफ पता चला कि वे कांग्रेस के इस कदम से सहज नहीं थे। बुधवार दोपहर 12 बजे जब लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई तब हंगामा हो रहा था। अखिलेश यादव समेत सपा के सांसद भी अपनी आवाज उठा रहे थे और अपनी बात रखना चाहते थे। अखिलेश यादव अपनी बात कहना चाह रहे थे, लेकिन स्पीकर ने कांग्रेस के के. सी. वेणुगोपाल को बोलने के लिए कहा और उनके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू बोलने लगे।

अखिलेश को यह बात नागवार गुजरी। अखिलेश यादव हेडफोन उतारकर नाराज होकर अपने सांसदों के साथ वापस जाने के लिए मुड़ने लगे। यह देखकर स्पीकर ने टोका और कहा कि अखिलेश जी, आपने भी बोलने के लिए कहा था, आप भी बोलिए। इस पर अखिलेश यादव ने तंज करते हुए कहा, क्या बोलें? आपने दोनों (सरकार और कांग्रेस) को बोलने का मौका दिया। क्या समझौता हो गया है? उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों पर जो बर्बरता हुई उसके लिए कार्रवाई होनी चाहिए, बेटियों के कपड़े फाड़े जा रहे हैं। इस पर जब के. सी. वेणुगोपाल ने टोका, तो अखिलेश ने कहा, इस्तीफे का क्या है? जब चाहें तब ले लेंगे, सदन के बाहर से लेंगे। सूत्रों के अनुसार सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद भी वेणुगोपाल और अखिलेश यादव के बीच बातचीत होती रही। वेणुगोपाल ने अखिलेश से पूछा कि उन्होंने इस्तीफे की मांग पर जोर क्यों नहीं दिया? उन्होंने आगे कहा कि यह तो छात्रों की मांग है जो हम यहां उठा रहे हैं। अखिलेश ने यह शिकायत भी दर्ज कराई कि कांग्रेस के शीर्ष नेता अन्य विपक्षी दलों को बिना बताए और बिना उन्हें भरोसे में लिए पीएम आवास के बाहर धरने पर क्यों चले गए? जबकि पीएम आवास के बाहर भीड़ लेकर वही पहुंचे थे। दरअसल अखिलेश छात्रों पर लाठीचार्ज के मामले में चर्चा पहले चाह रहे थे, जबकि मल्लिकार्जुन खड़गे

▶8 पर

छात्रों की गुंडागर्दी जंतर मंतर के पास हिंसा

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में नीट पेपर लीक मुद्दे पर चल रहा प्रदर्शन अचानक हिंसक हो उठा। दिल्ली पुलिस के अनुसार, टॉलस्टॉय मार्ग पर प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाकर्मियों पर अचानक पथराव कर दिया और बोतलें फेंकी, जिससे पुलिस और सुरक्षा बलों में हड़कंप मच गया। इस हिंसा में कनॉट प्लेस के एसीपी विवेक भगत समेत 5 पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। घटना के संबंध में दिल्ली पुलिस ने एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि जंतर-मंतर पर जमा भीड़ का एक उग्र हिस्सा आगे बढ़ते हुए टॉलस्टॉय मार्ग पर आ गया। रात करीब 8:30 बजे उपद्रवियों ने वहां नियमित रूप से तैनात आरएएफ और पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ बड़े-बड़े पत्थर और कांच की बोतलें बरसानी शुरू कर दीं। इस अचानक हुए हमले में कनॉट प्लेस के एसीपी विवेक भगत घायल हो गए, जिन्हें वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा तुरंत इलाज के लिए राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के मुताबिक, बुधवार को दिनभर हुई हिंसा में कुल 5 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं,

▶8 पर

अयोध्या संत हवाले

सौंपी धार्मिक कार्यों की जिम्मेदारी

अयोध्या, 22 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के न्यासी मंडल की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को अयोध्या में ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी श्रावण मास में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के संभावित आगमन को देखते हुए दर्शन व्यवस्था, प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने, मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति, चढ़ावा गणना व्यवस्था, ट्रस्ट में रिक्त पदों की पूर्ति और मंदिर की परंपरागत पूजा व्यवस्था सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई और अहम निर्णय लिए गए।

बैठक में बताया गया कि चढ़ावा राशि की गणना में कथित अनियमितताओं की जांच कर रहे विशेष जांच दल की अंतिम रिपोर्ट अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। इसी कारण इस मामले पर कोई चर्चा या अंतिम निर्णय नहीं लिया जा सका। साथ ही इस प्रकरण से जुड़ी उच्चतम न्यायालय में लंबित याचिकाओं की सुनवाई और न्यायालय के निर्देशों का भी संज्ञान लिया गया। न्यासियों ने मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और संतोष व्यक्त किया कि चढ़ावा गणना कक्ष सहित सभी महत्वपूर्ण कैमरों की पहुंच सुरक्षा एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों को पहले से उपलब्ध करा दी गई है।

बैठक में स्टेट बैंक ऑफ के साथ चढ़ावा राशि की गणना के लिए हुए एमओयू की भी समीक्षा की गई। न्यासी मंडल ने बैंक की कार्यप्रणाली और दायित्वों के निर्वहन में सामने आई त्रुटियों पर नाराजगी जताई। ट्रस्ट ने बैंक की प्रतिक्रिया और गंभीरता पर असंतोष व्यक्त करते हुए वित्त समिति को डइख के साथ भविष्य के संबंधों और मानक संचालन प्रक्रियाओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्णय लेने के निर्देश दिए।

प्रशासनिक ढांचा, सीईओ चयन और दुष्प्रचार का जवाब

मुख्य कार्यकारी अधिकारी के चयन के लिए गठित समिति ने बड़ी संख्या में प्राप्त आवेदनों का हवाला देते हुए चयन प्रक्रिया पूरी करने के लिए एक माह का अतिरिक्त समय मांगा, जिसे न्यासी मंडल ने स्वीकार कर लिया। इस बीच श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए ट्रस्ट ने प्रशासनिक कार्यों के सुचारु संचालन के लिए एक सचिव की नियुक्ति को मंजूरी दे दी। समाज और मीडिया के साथ प्रभावी संवाद बनाए रखने के उद्देश्य से ट्रस्ट ने पहली बार आधिकारिक प्रवक्ता नियुक्त करने का भी निर्णय लिया। वहीं, न्यासी मंडल के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया जारी रहने की जानकारी देते हुए बताया गया कि इस कार्य को पूरा होने में

▶8 पर

प्रशिक्षु आईपीएस विवाद

हाईकोर्ट में मामला, कसौटी पर साक्ष्य

हैदराबाद, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे दो प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों के बीच शुरू हुआ विवाद अब पुलिस जांच और न्यायिक प्रक्रिया के केंद्र में पहुंच गया है। शिकायतकर्ता महिला प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी का आरोप है कि 23 जून 2026 से उदय कृष्णा रेड्डी लगातार उनका पीछा कर रहे थे, आपत्तिजनक संदेश भेज रहे थे, मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे तथा उनकी सहमति के बिना निजी वीडियो बनाकर उसे सार्वजनिक करने या उसका दुरुपयोग करने की धमकी दे रहे थे। महिला अधिकारी ने पहले अकादमी के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायत रखी। इसके बाद 18 जुलाई 2026 को अत्तापुर पुलिस थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए बाद में जांच महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ को स्थानांतरित कर दी गई।

प्राथमिकी दर्ज होने के बाद उदय कृष्णा रेड्डी ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए तेलंगाना हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने अपनी याचिका में प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग करते हुए दावा किया कि शिकायत तथ्यहीन है और दोनों के बीच संबंध पूरी तरह आपसी सहमति पर आधारित थे। उनका कहना है कि उनके पास ऐसे इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य हैं जो उनके पक्ष का समर्थन करते हैं। दूसरी ओर शिकायतकर्ता महिला अधिकारी अपने आरोपों पर कायम हैं। इस प्रकार दोनों पक्षों के दावे एक-दूसरे से पूरी तरह भिन्न हैं और पूरे मामले का निष्कर्ष अब जांच एजेंसी द्वारा एकत्र किए जाने वाले साक्ष्यों तथा न्यायालय की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

मामले की गंभीरता को देखते हुए हैदराबाद पुलिस ने जांच अत्तापुर थाने से हटाकर महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ को सौंप दी। पुलिस उपायुक्त लावण्या की निगरानी में विशेष जांच आगे बढ़ रही है। जांच दल शिकायतकर्ता महिला अधिकारी का बयान दर्ज कर चुका है, जबकि उदय कृष्णा रेड्डी का बयान भी जांच प्रक्रिया के तहत लिया जाना है। इसके अलावा राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के अधिकारियों, प्रशिक्षकों तथा आवश्यक होने पर अन्य प्रशिक्षु अधिकारियों से भी पूछताछ की जा सकती है, ताकि घटनाक्रम की स्वतंत्र पुष्टि हो सके।

इस पूरे प्रकरण ने नया मोड़ तब लिया जब प्राथमिकी दर्ज होने के बाद उदय कृष्णा रेड्डी के कथित आत्महत्या के प्रयास की खबर सामने आई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के बाद उनकी स्थिति स्थिर बताई गई। इसी दौरान उनके नाम से एक कथित सुसाइड नोट सार्वजनिक हुआ, जिसमें उन्होंने स्वयं को निर्दोष बताते हुए पूरे मामले को आपसी संबंधों के बाद उत्पन्न विवाद का परिणाम बताया। हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कथित सुसाइड नोट की सामग्री और उसमें किए गए दावों की स्वतंत्र जांच की जाएगी तथा उसे स्वतः प्रमाण नहीं माना जा सकता। जांच एजेंसियों के सामने अब सबसे बड़ी जिम्मेदारी इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की वैज्ञानिक जांच है।

▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 27°
न्यूनतम : 23°

संसद में अभद्रता!

कल्याण बनर्जी निलंबित, हंगामा

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। संसद का मॉनसून सत्र लगातार हंगामे की भेंट चढ़ रहा है। सत्र के शुरुआती तीनों दिन नीट पेपर लीक और छात्रों के आंदोलन के मुद्दे पर भेंट चढ़ चुके हैं। लोकसभा और राज्यसभा, दोनों ही सदनों में बुधवार को भी गतिरोध और नारेबाजी जारी रही। कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद वेल में आ गए और जोरदार नारेबाजी की। हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही पहले 12 बजे, फिर 2 बजे और अंत में दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, राज्यसभा की कार्यवाही भी पहले 12 बजे, फिर 2 बजे, 3 बजे तक स्थगित होने के बाद अंततः दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष से सदन चलने देने की अपील की। रिजिजू ने कहा कि सरकार नीट मामले पर नियमों के तहत सार्थक चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है और इसके लिए सभी दलों के फ्लोर लीडर्स से समय तय किया जा सकता है। कांग्रेस के के. सी. वेणुगोपाल और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तत्काल विस्तृत चर्चा की मांग की। अखिलेश यादव ने प्रोटेस्ट कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज का मुद्दा उठाते हुए सरकार को घेरा और कहा, अगर यहां हमारी बात सुन ली जाती, तो हमें प्रधानमंत्री आवास नहीं जाना पड़ता। आंदोलनकारी छात्रों के हाथ तोड़े गए, सिर फोड़े गए और बेटियों के कपड़े तक फाड़े गए। जब प्रधानमंत्री बाहर बोल सकते हैं,

▶8 पर

ट्रंप की खुली धमकी

पुल-पावर प्लांट उड़ा देंगे

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को सीधी और कढ़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अगर ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले किसी भी जहाज पर हमला किया, तो अमेरिका जवाबी कार्रवाई में ईरान के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि होर्मुज में किसी भी वाणिज्यिक या सैन्य जहाज पर ईरान की ओर से हमला किए जाने पर अमेरिका सख्त कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि हमले में किसी भी तरह के हथियार का इस्तेमाल किया गया हो, अमेरिका उसका करारा जवाब देगा। ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा, अब से जब भी ईरान इस्लामिक रिपब्लिक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में किसी जहाज पर मिसाइल, रॉकेट, ड्रोन या किसी अन्य उपकरण या हथियार से हमला करेगा, अमेरिका एक पुल या पावर प्लांट को बम से उड़ाकर तबाह कर देगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इन ठिकानों में राजधानी तेहरान के अंदर या उसके

▶8 पर

क्या आप जानते हैं जनेऊ पहनने के इन पांच फायदो के बारे में

जनेऊ पहनने वाला व्यक्ति हर वक्त नियमों से बंधा हुआ होता है। वह मल-मूत्र विसर्जन के पश्चात अपनी जनेऊ उतार नहीं सकता। आज के जमाने में लडके इसे पहनना पसंद नहीं करते क्योंकि उन्हें लगता है कि यह उनके फैशन में बाधा डालता है।

आपने देखा होगा कि बहुत से लोग जनेऊ पहने हुए होते हैं। यह तीन धागों वाला एक सूत्र होता है जो लडके के दस से बारह वर्ष की आयु हो जाने के बाद उसे पहनाया जाता है। जनेऊ पहनने वाला व्यक्ति हर वक्त नियमों से बंधा हुआ होता है। वह मल-मूत्र विसर्जन के पश्चात अपनी जनेऊ उतार नहीं सकता। आज के जमाने में लडके इसे पहनना पसंद नहीं करते क्योंकि उन्हें लगता है कि यह उनके फैशन में बाधा डालता है। लेकिन इसे पहनने से हमारे शरीर को कई बडे फायदे होते हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से जनेऊ पहनना बहुत ही लाभदायक है। यह केवल धर्माज्ञा ही नहीं, बल्कि आरोग्य का पोषक भी है, अत: इसको सदैव धारण करना चाहिए।

क्या है हिंदू धर्म जनेऊ पहनने का महत्व

चिकित्सकों अनुसार यह जनेऊ के हदय के पास से गुजरने से यह हृदय रोग की संभावना को कम करता है, क्योंकि इससे रक्त संचार सुचारू रुप से संचालित होने लगता है। ऐसे ही अनेको और भी बडे फायदे हैं जनेऊ धारण करने के जिसके बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं, तो जरा ध्यान दें।

आइये जानें, क्या फायदे हैं जनेऊ पहनने के

यह बीमारियों से बचाता है

इसे पहनने वाले व्यक्ति को साफसफाई का काफी ध्यान रखना पडता है। अगर वह मल-मूत्र त्यागने गया है तो उसे जनेऊ को अपने कानों पर टांगना होगा और फिर हाथ पैर धो कर कुल्ला कर के ही जनेऊ को कानों से उतारता है। यह सफाई उसे दांत, मुंह, पेट, कृमि, जीवाणुओं के रोगों से बचाती है।

रक्त संचार बनें सुचारू

चिकित्सकों अनुसार यह जनेऊ के हदय के पास से गुजरने से यह हदय रोग की संभावना को कम करता है, क्योंकि इससे रक्त संचार सुचारू रूप से संचालित होने लगता है।

कान पर बांधने के फायदे

जब जनेऊ को कान पर बांधा जाता है, तो उससे स्मरण शक्ति बढती है। इसके अलावा ऐसा करने से कान के अंदर की नसें दबती हैं, जिनका संबंध सीधे आंतों से होता है।

नसों पर दबाव पडने से कब्जी की शिकायत नहीं होती और पेट अच्छे से साफहो जाता है।

बुरे कार्यो से बचाए

जनेऊ से पवित्रता का अहसास होता है। यह मन को बुरे कार्यों से बचाती है। कंधे पर जनेऊ है, इसका मात्र अहसास होने से ही मनुष्य भ्रष्टाचार से दूर रहने लगता है।

शुक्राणुओं की रक्षा होती है

जनेऊ को जब कान में लपेट जाता है तब कान की एक और नस दबती है, जिसका सीधा संबंध अंडकोष और गुप्तेंद्रियों से होता है। ऐसे में शुक्राणुओं की रक्षा होती है।

धर्म क्या है, क्या हम सब सही रूपों में इसे समझ पाए हैं

धर्म किसी एक या अधिक परलौकिक शक्ति में विश्वास और उसके साथ जुडी रिति, रिवाज, परम्परा, पूजा-पद्धति और दर्शन का समूह है । जिंदगी में हमें जो धारण करना चाहिए, वही धर्म है। नैतिक मूल्यों का आचरण ही धर्म है।

धर्म वह पवित्र अनुष्ठान है जिससे चेतना का शुद्धिकरण होता है। धर्म वह तत्व है जिसके आचरण से व्यक्ति अपने जीवन को चरितार्थ कर पाता है। यह मनुष्य में मानवीय गुणों के विकास की प्रभावना है, सार्वभौम चेतना का सत्संकल्प है। मध्ययुग में विकसित धर्म एवं दर्शन के परम्परागत स्वरूप एवं धारणाओं के प्रति आज के व्यक्ति की आस्था कम होती जा रही है। मध्ययुगीन धर्म एवं दर्शन के प्रमुख प्रतिमान थे- स्वर्ग की कल्पना, सृष्टि एवं जीवों के कर्ता रूप में ईश्वर की कल्पना, वर्तमान जीवन की निरर्थकता का बोध, अपने देश एवं काल की माया एवं प्रपंचों से परिपूर्ण अवधारणा।

उस युग में व्यक्ति का ध्यान अपने श्रेष्ठ आचरण, श्रम एवं पुरुषार्थ द्वारा अपने वर्तमान जीवन की समस्याओं का समाधान करने की ओर कम था, अपने आराध्य की स्तुति एवं जय गान करने में अधिक था। धर्म के व्याख्याताओं ने संसार के प्रत्येक क्रियाकलाप को ईश्वर की इच्छा माना तथा मनुष्य को ईश्वर के हाथों की कठपुतली के रूप में स्वीकार किया। दार्शनिकों ने व्यक्ति के वर्तमान जीवन की विपन्नता का हेतु कर्म-सिद्धान्त के सूत्र में प्रतिपादित किया। इसकी परिणति मध्ययुग में यह हुई कि वर्तमान की सारी मुसीबतों का कारण भाग्य अथवा ईश्वर की मर्जी को मान लिया गया। आज के युग ने यह चेतना प्रदान की है कि विकास का रास्ता हमें स्वयं बनाना है। किसी समाज या देश की समस्याओं का समाधान कर्म-कौशल, व्यवस्था-परिवर्तन, वैज्ञानिक तथा तकनीकी विकास, परिश्रम तथा निष्ठा से सम्भव है। आज के मनुष्य की रुचि अपने वर्तमान जीवन को सँवारने में अधिक है। उसका ध्यान भविष्योन्मुखी न होकर वर्तमान में है। वह दिव्यताओं को अपनी ही धरती पर उतार लाने के प्रयास में लगा हुआ है।

भगवान शिव की खंडित मूर्ति पूजा करने का रहस्य

शिव को सभी देवताओं में सबसे विशेष दर्जा दिया गया है क्योंकि सांसरिक मोह-माया से दूर शिव अपने तप में लीन रहते है। वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह करते हैं। इसके अलावा शिव को भौतिक नियमों से कोई सरोकार नहीं है।

हिंदू धर्म की मान्यता अनुसार किसी मूर्ति के खंडित होते ही उसे विसर्जित करने या किसी वटवृक्ष के पास रखा जाता है। ऐसा करने के पीछे सभी लोगों के अपने-अपने तर्क है। जहां एक ओर कुछ लोगों का मानना है कि भगवान की प्रतिमा में प्राण होते हैं इसलिए उनकी प्रतिमा टूट जाने पर उन्हें भी किसी भक्त की भांति ही पीडा होती है। दूसरी ओर कुछ लोगों का तर्क है कि यदि हमारे शरीर के किसी अंग में चोट लग जाए तो हम उस चोट को यूं ही नहीं छोड देते बल्कि उसका उपचार करवाते हैं तो भला भगवान की प्रतिमा को खंडित होने पर उन पर बिना कोई ध्यान दिए मंदिर में कैसे रख सकते है। हम में से कई लोग मूर्ति और प्रतिमा को एक समान ही समझते हैं। दोनों के अर्थ में कोई अधिक अंतर नहीं है लेकिन भगवान की मूरत को प्रतिमा कहा जाता है, क्योंकि लोगों को विश्वास होता है कि भगवान की मूर्ति सजीव होती है। जबकि किसी कला, जीव आदि की बनाई हुई छवि को मूर्ति कहा जाता है। लेकिन आधुनिक जीवनशैली में भगवान की मूरत को मूर्ति ही कहा जाता है। अब बात करें खंडित चीजों की तो, इनमें एक प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा होती है। लेकिन इन सभी तर्कों से परे भगवान शिव एक ऐसे देवता हैं जिनकी खंडित मूर्ति की भी पूजा होती है।

इसलिए होती है शिव की खंडित मूर्ति की पूजा

शिव को सभी देवताओं में सबसे विशेष दर्जा दिया गया है क्योंकि सांसरिक मोह-माया से दूर शिव अपने तप में लीन रहते है। वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह करते हैं। इसके अलावा शिव को भौतिक नियमों से कोई सरोकार नहीं है। उनके लिए हर चीज की परिभाषा अलग है। शिव को निरंकारी माना जाता है। यानि शिव को वास्तव में किसी ने नहीं देखा है। तस्वीरों और मूर्तियों में उनका जो रूप दिखाई पडता है वो भक्तों की कल्पना मात्र है। इस प्रकार जिसका कोई आकार, रंग, रूप आदि न हो उसे भला क्या क्षति हो सकती है। महादेव का न तो आदि है और न ही अंत। इस प्रकार शिव की मूर्ति कितनी भी खंडित क्यों न हो जाए हमेशा पूज्यनीय होती है। साथ ही शास्त्रों के अनुसार शिवलिंग का पूजन किसी भी दिशा से किया जा सकता है लेकिन पूजन करते वक्त भक्त का मुख उत्तर दिशा होना सर्वश्रेष्ठ माना जाता

आइये जाने, हनुमानजी को खुश करके उनकी विशेष कृपा पाने के कुछ नियम

आइये जाने हनुमानजी को खुश करके उनकी विशेष कृपा पाने के कुछ नियम और कार्य

जब कोई भक्त हनुमानजी को सच्चे मन से समर्प्रित होकर याद करता है तब आसानी से हनुमानजी उस पर प्रसन्न हो जाते है । हम जानते है की वो राम के परम भक्त है और खुद वानर है अत: प्रभु राम की भक्ति और वानरों को गुड चन्ने और केले का प्रसाद खिलाना , अचूक उपाय है हनुमान जी को खुश करने का इसके अलावा हनुमान जी को सिंदूर लगाना भी सबसे प्रिय पूजा के भागो में से एक है। श्री हनुमान पूजा हनुमान जी अपने माँ पिता के बडे लाडले थे अत: माँ अंजना और पिता केसरी के जयकारे से भी हनुमान प्रसन्न होते है। हर मंगलवार को अगर हो सके तो श्री हनुमान की मूर्ति का मंदिर में जा कर दर्शन कर। सुबह जगने के बाद और रात्रि में सोने से पहले हनुमान चालीसा या हनुमान मंत्र का जाप करे। दिन में कम से कम एक बार हनुमान चालीसा पूर्ण ध्यान से पढे। हनुमान भक्त के लिए राम और माँ जानकी की भी पूजा प्रसन्नता दायक है। हो सके तो मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी का व्रत करना चाहिए। हर मंगलवार या शनिवार को हनुमान मंदिर में बालाजी की लाल मूर्ति पर सिंदूर चढाना चाहिए फिर उन्हें गुड चन्ना या केले का प्रसाद चढा कर हो सके तो वानरों को यह प्रसाद खिलाना चाहिए।

प्रकृतेः क्रियमाणानि गुणैः कर्माणि सर्वशः।
अहङ्कारविमूढात्मा कर्ताहमिति मन्यते॥

अर्थ : संपूर्ण कर्म सब प्रकार से प्रकृति के गुणों द्वारा किए जाते हैं। फिर भी जिसका अंत:करण अहंकार से मोहित हो रहा है, ऐसा अज्ञानी 'मैं कर्ता हूं' यह मानता है।

जो लोग अज्ञानी हैं, उनमें ही अहंकार जन्म लेता है

भावार्थ :

जो लोग अज्ञानी हैं, उनमें ही अहंकार जन्म लेता है। उन्हें इस बात का ज्ञान नहीं होता कि सभी कर्म प्रकृति द्वारा ही किए जाते हैं। अज्ञानियों को यह भ्रम हो जाता है कि कोई कार्य उन्होंने स्वयं किया है। मान लें कोई मूर्तिकार सुंदर मूर्ति गढता है और उसमें यह अहंकार हो जाता है कि इस मूर्ति को मैंने रचा है।

दरअसल, मूर्तिकार ने जो संवेदना और कल्पना उस मूर्ति में डाली, वह उसकी भीतरी प्रकृति की देन थी। उसने जिन हाथों से उसे बनाया या जिन वस्तुओं को उसने प्रयोग किया, वे सब प्रकृति की ही देन हैं। फिर यह अहंकार करना कि यह मेरा है, व्यर्थ है। जिस क्षण यह अहंकार व्यक्ति के अंदर आ जाता है, उसकी कर्म की गुणवत्ता घटती जाती है।

वह उतना दत्तचित्त होकर कर्म नहीं कर पाता, जितना अहंकार रहित कर्म करने से होता है। अहंकार से व्यक्ति कर्म पर अपना अधिकार जमाने लगता है और जब वह कर्म उससे विमुख होता है, तो उसे पीडा पहुंचती है। इसलिए अहंकार रहित कर्म ही श्रेष्ठ है। मौन मन की शक्ति है।

यह ध्यान की ऊर्जा और सत्य का द्वार है। दैनिक जीवन में मौन के महत्व को पहचानने का प्रयास करें। सिर्फ श्वासों के आवागमन पर ही अपना ध्यान केंद्रित करें। मौन अवस्था में अपने जीवन का सिंहावलोकन कर ही अपने भविष्य का चिंतन करें।

वचन

हम वर्षों से व्यर्थ की बातें बोलते आए हैं। हमारे बोलने से न देश बदलता है और न समाज। यहां तक कि हमारी बातों का असर बगल में बैठे व्यक्ति पर भी लेश मात्र नहीं पडता है। फिर क्यों हम बोलकर निरंतर अपनी ऊर्जा खर्च करते रहते हैं। यदि जरूरत पडने पर बोला जाए, तो उसका दूरगामी प्रभाव होता है, पर ध्यान रहे कि जो भी बोलें, सकारात्मक बोलें।

कर्म

किसी क्षण में मिली जय-पराजय से विचलित हुए बिना हमें अपना कर्म करते रहना चाहिए। पराजय से ही हमारे मन में उत्कृष्ट विचार जन्म लेते हैं। यह हमें दृढनिश्चयी बनाता है और सफलता के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करता है।

अतीत को भूलो और आगे बढ़ो

कुछ लोग सोचते हैं कि चुपचाप रहना अध्यात्म है। कुछ समझते हैं कि खुशी में रहना ही अध्यात्म है। अध्यात्म इन दोनों का तालमेल है, उसमें बाहर से आप चुप नजर आते हैं, भीतर खुश रहते हैं और भीतर चुप रहते हैं और बाहर से खुश नजर आते हैं!

हमारे जीवन में दो तरह के उत्सव होते हैं। एक जब हम धन्यवाद या आभार प्रकट करते हैं यह किसी ईश्वर के प्रति होता है। दूसरा होता है कि हम अतीत को भुलाकर जीवन में आगे ब?ने का फैसला करते हैं और यह मानते हैं कि जीवन तो अनंत है तो फिर कहीं रुक जाने या बैठ जाने का क्या तुक है। किसी भी तरह जीवन में खुश रहने या खुशी मनाना अच्छा है।

वास्तविक उत्सव तो यही है कि बिना किसी आयोजन के भी आप प्रसन्ना रहते हैं। जब आपका उद्देश्य पवित्र होता है तो उत्सव अपने आप में पूर्ण हो जाता है। तब शरीर, मस्तिष्क और आत्मा आनंद पाती है।

अगर उत्सव आपको अपने आसपास से जोड़ता है, अगर यह आपको दुखद अतीत से मुक्त करता है और भविष्य की उम्मीद बंधाता है तब आप किसी भी अतीत के काम का बोझ नहीं महसूस करेंगे। उत्सव का ही एक तरीका है दूसरों की सेवा करना। यह बहुत ही पवित्र काम है। दूसरों की मदद करने में खुशी की तलाश कीजिए और तब आप निश्चित ही आनंद पाएंगे।

जब किसी भी खुशी में पवित्रता और प्रार्थना जुड़ जाती है तो उसमें गहराई और प्रतिष्ठा आ जाती है। तब वह मस्तिष्क के लिए केवल मनोरंजन और शरीर के लिए रोमांच नहीं रह जाता है बल्कि इनसे बढ़कर वह आत्मा के लिए जरूरी पोषण बन जाता है। किसी भी तरह की ईर्ष्या मन में रखकर खुशी की तलाश नहीं की जा सकती है बल्कि उसे तलाशने के लिए तो आपको उदारता से किसी की मदद के लिए हाथ बढ़ाना होगा।

खुशी तो हमारे जीने का एक ढंग है और खुशी पाने के लिए आपको बहुत सारा पैसा खर्च करने की जरूरत नहीं है। खुशी मिलती है आपके उत्साह और काम करने के ढंग से। जब आप दुखी रहते हैं तभी खुशी की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। तब आपको अतीत की दुखद घटनाओं से मुक्त होकर खुशी की तरफ कदम बढ़ाने की जरूरत होती है। तब आपके पास जो कुछ भी है उसे दूसरों के साथ बांटिए और आप पाएंगे कि आपने खुशी तलाश ली है।

जीवन हमेशा बेहतर दिशा में आगे बढ़ता है। इस सफर में कहीं-कहीं खराब रास्ता भी मिल सकता है लेकिन उन रास्तों से होकर भी आप अंततः तो जीवन में खुशी ही पाते हैं। कठिनाइयों से आप गहराई पाते हैं और खुशी आपको विस्तार का मौका देती है। जो बुद्धिजीवी होते हैं वे अतीत को अपने भाग्य की तरह देखते हैं और भविष्य को चुनाव की आजादी के तौर पर। इसके साथ ही वे अपने वर्तमान में प्रसन्ना रहते हैं। जो दुख को पीठ पर उठाए घूमते हैं वे अपने अतीत के बारे में अक्सर शिकायती रवैया रखते हैं और भविष्य को अपने से दूर पाते हैं। ऐसे लोगों का वर्तमान भी दुखद हो जाता है। यह चुनाव आपके ही हाथ है।

ऐसे सोचिए कि अतीत में जो हमारे साथ हुआ है उसने हमें बहुत कुछ सिखाया है। उसने बताया है कि हमें क्या करना है और क्या नहीं करना है। किसी भी दर्द से गुजरकर हमारे भीतर थोड़ी गहराई ही आती है और खुशी और आनंद हमें जीवन में नई चीजों को देखने और भविष्य के प्रति आशावान रहने का साहस देते हैं।

भविष्य का स्वागत मुस्कुराहट के साथ कीजिए। यह मुस्कुराहट तब आएगी जब आप इस तरह से सोचेंगे कि आपका भविष्य सुंदर ही होगा। अगर आप यह भरोसा नहीं करते हैं कि आगे सबकुछ ठीक होगा तो आप खुशी की ओर कदम नहीं बढ़ा पाते हैं। तब आप असुरक्षा में ही जीते हैं। असुरक्षा के साथ ही लालच पैदा होता है। लालच के साथ स्वार्थ जुड़ जाता है। इसके पीछे-पीछे ही गुस्सा जीवन में आता है। गुस्से के साथ वासना की जगह बन जाती है। इसके पीछे उदासी और दुख जीवन में चले आते हैं। ये सभी एकदूसरे से जुड़े हुए हैं। कुछ लोग सोचते हैं कि चुपचाप रहना अध्यात्म है। कुछ समझते हैं कि खुशी में रहना ही अध्यात्म है। अध्यात्म इन दोनों का तालमेल है, उसमें बाहर से आप चुप नजर आते हैं, भीतर खुश रहते हैं और भीतर चुप रहते हैं और बाहर से खुश नजर आते हैं! जब आप चुप रहकर खुशी व्यक्त करते हैं तो वह असली उत्सव होता है।

इस खुशी का असर भी ज्यादा होता है। यह एक रहस्य है। रहस्य समझने के लिए नहीं होते बल्कि उनसे प्रेम करना चाहिए। प्रेम भी एक रहस्य ही है, नींद रहस्य है, हमारा मस्तिष्क रहस्य है और हमारे इर्द-गिर्द जो कुछ भी है वह सबकुछ रहस्य ही है। इस रहस्य को जानने की कोशिश दुविधा है लेकिन इसके साथ जीना ही ज्ञान की प्राप्ति है।

कुछ लोग कहते हैं मैं नहीं जानता तो कभी-कभी वे अज्ञानवश ऐसा कहते हैं। लेकिन जिन्हें ज्ञान हो जाता है वे भी कहते हैं, मैं मुझे पता जिसका अर्थ ही दूसरा होता है। इस तरह हर प्रश्न एक आश्चर्य में बदल जाता है। सरल और निर्दोष बनकर इस दूसरी अवस्था में रहो। उसे जिओ और तब आनंद अपने आप पैदा होगा।

श्री श्री रविशंकर

कर्ली बालों को ऐसे करें सीधा, अपनाएं ये टिप्स

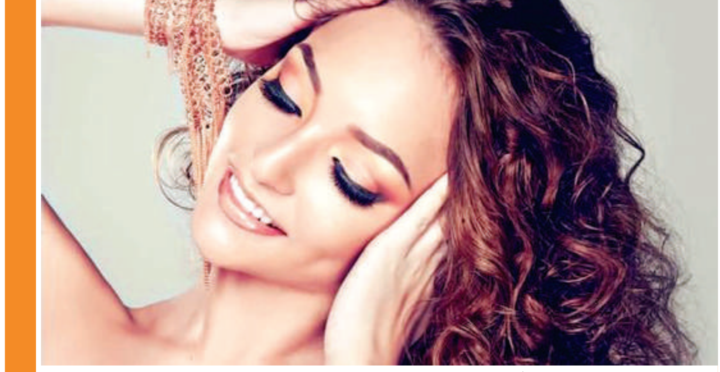

घुंघराले बाल देखने में जितने खूबसूरत लगते हैं। उतने ही इन्हें सुलझाना कठिन होता है।

» महिलाओं के ही नहीं पुरुषों के भी करली बाल होते हैं।

» लोग बालों को सीधा करने के लिए कई तरह के प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं। जब भी बालों को असर नहीं पड़ता।

» करली बालों में कई परेशानियां झलनी पड़ती है। आइए जानते हैं करली बालों को सीधा करने के नेचुरल तरीके...

1. तेल मालिश

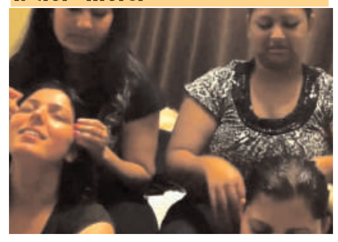

» हल्के गरम तेल से मालिश करके बालों को ठीक करने का सबसे अच्छा तरीका है।

» नारियल, जैतून और बादाम का तेल फायदेमंद होता है।

2. एलोवेरा

एलोवेरा के गूदे को निकालकर इसमें तेल मिलाकर बालों में लगाने से आपको बाल चमकदार और सीधे हो जाएंगे।

3. मुल्तानी मिट्टी

» मुल्तानी मिट्टी, तेल और चावल का आटा मिलाकर लगाने से बाल सीधे होते हैं।

» इस पेस्ट को लगाने के बाद बालों को मोड़े नहीं।

4. अंडे का प्रयोग

» अंडे को फेट कर इसमें ऑलिव ऑयल मिक्स कर लें। इस मिश्रण को बालों में लगाने के थोड़ी देर बाद बालों को शैम्पू कर लें। इससे बालों में चमक आती है और सीधे हो जाते हैं।

सिरदर्द दूर करने के लिए हर्बस

भागदौड़ भरी जिंदगी, बढ़ते तनाव और ऐसे ही कई अन्य कैरणों के चलते सिरदर्द एक आम समस्या बनता जा रहा है। ऐसे में लोग अक्सर पेन किलर का सहारा लेते हैं। लेकिन ज्यादा पेन किलर खाने पर रिएक्शन का डर बना रहता है। इसीलिए सिरदर्द दूर करने के लिए आप कुछ प्रभावी हर्ब्स का प्रयोग कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कि सिरदर्द के इलाज के लिए कौंन से हर्ब्स मौजूद हैं।

पैशनफ्लॉवर

परंपरागत रूप से चिंता और अनिद्रा की स्थितियों के इलाज के लिए पैशनफ्लॉवर को जड़ी बूटी के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। यह सिरदर्द के इलाज में भी कभी कारगर साबित होता है। जैसा की इसके नाम से पता चलता है यह हर्ब बड़ी इच्छाओं के चलते तनाव पूर्ण जीवन बिता रहे लोगों वाले लोगों के नर्वस सिस्टम को शांत कर सिरदर्द जैसी समस्या से बचाने में कारगर होता है।

वाइट विलो बार्क

अन्य सिरदर्द दूर करने वाली हर्ब्स की तरह वाइट विलो बार्क भी सिरदर्द दूर करने वाली एक कारगर हर्ब है। इस हर्ब को एस्प्रिन सप्लिमेंट में भी इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन एक एनाल्जेसिक के रूप में यह हर्ब अन्य हर्ब्स की तरह लक्षणों को ना मिटाकर सीधा सिरदर्द को दूर करती है।

बटरबर और फीवरफ्यू

बटरबर और फीवरफ्यू के बारे में जानने से पहले हमें ये जान लेना जरूरी है कि माइग्रेन और सिरदर्द दो अलग प्रकार की समस्याएं हैं। माइग्रेन सिर में रक्त के प्रवाह में तेजी से बदलाव के कारण होता है और गंभीर सिर दर्द , मतली, प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता, और ध्वनि के साथ जुड़ा हुआ होता है। जबकि सिरदर्द माइग्रेन का एक घटक है। बटरबर और फीवरफ्यू दोनों ही बेहतर और नियमित रूप से सिरदर्द के इलाज के लिए उपयुक्त है।

ब्लेक कॉश

यह एक नेटिव उत्तरी अमेरिकी पौधा है। जिसका गठिया, सिरदर्द आदि के कारगर इलाज के लिए इस्तेमाल किये जाने का इतिहास रहा है। क्योंकि इस जड़ी बूटी में एस्ट्रोजन प्रभाव होता है, यह महिलाओं के लिए बेहतर है। लेकिन पुरुषों भी इसे कभी-कभी इस्तेमाल कर सकते हैं।

सरसों के बीज

सरसों सिरदर्द के उपचार में लाभदायक होता है। इसके लिए आधा चम्मच सरसों के बीज का पाउडर, 3 चम्मच पानी में घोलकर नाक पर लगाएं। इससे माइग्रेन और इससे होने वाले सिरदर्द में राहत मिलती है।

अदरक

अदरक एक दर्द निवारक के रूप में भी काम करता है। यदि सिरदर्द हो तो सूखे अदरक को पानी के साथ पीसकर उसका पेस्ट बना लें और इसे अपने माथे पर लगा लें। इसे लगाने पर हल्की जलन जरूर होती है लेकिन यह सिरदर्द दूर करने में सहायक होता है।

दालचीनी

दालचीनी एक कमाल की हर्बस है, जो कई रोगों के उपचार में लाभदायक होती है। सिरदर्द के उपचार में दालचीनी को पानी के साथ महीन पीसकर कपाल पर पतला लेप करना चाहिए। लेप सूख जाए तो उसे हटाकर दोबारा नया लेप तैयार कर लगाना चाहिए।

पुष्कर मूल

पुष्कर मूल अर्थात पुष्कर की जड़ सिरदर्द की समस्या होने पर काफी सहायक हो सकती है। इसको चंदन की तरह घिसकर लेप को कपाल पर लगाने से सिर दर्द ठीक होता है। यदि आप घर में हैं और सिरदर्द की समस्या होती है तो इस लेप को लगा कर आराम करें। सिर दर्द जल्द ठीक हो जाएगा।

प्रिमरोज (पीतसेवती)

अगर आपके पास बहुत काम है, जिसकी वजह से आप अक्सर 12 घंटे तक दफ्तर में बिताते हैं, तो प्रिमरोज सप्लिमेंट्स को रेग्युलर तौर पर लें। इसमें दर्द से आराम देने वाला कंपाउंड फिनायललानीन प्रचुर मात्रा में होता है। यही नहीं, प्रिमरोज कई अन्य बीमारियों में भी इस्तेमाल किया जाता है।

पिपरमिंट

पिपरमिंट माइग्रेन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। पुराने समय में सिरदर्द के लिए पिपरमिंट ही दिया जाता था। इसलिए यदि आपको सिर दर्द की शिकायत होती है, तो आप इसे चाय में मिलाकर पी सकते हैं। इससे आपको तुरंत आराम मिलेगा।

कुछ अन्य हर्ब्स

अगर आप पिपरमिंट, कैमामाइल और विलो बार्क को मिला कर चाय पीते हैं, तो आपको सिर दर्द में तुरंत आराम मिलेगा। इसके अलावा लहसुन, अदरक, लाल मिर्च, चेरी, लेवेंडर और सन फ्लॉवर सीड्स आदि हर्ब्स भी सिरदर्द को ठीक करने में सहायक होती हैं।

मक्खन के चमत्कारी लाभ

मक्खन हर घर में पाया जाता है। मक्खन के बिना भारतीय नाश्ता अधूरा होता है। शायद ही कोई दिन ऐसा होगा जब आप इनसे बच पाती हों। लेकिन कैलरी के लिहाज से कौन ज्यादा हेल्दी ऑप्शन है । यह जानना भी जरूरी है। इस बार जानिए मक्खन सेहत के लिए कितना बेहतर है। इसमें विटामिन और एंटीऑक्सीडेंटस ज्यादा मात्रा में मौजूद है । इसलिए यह छोटे बच्चों के बढने के लिए बहुत ही लाभकारी है। जिनको लिवर संबंधी समस्या होती है।

नया स्मार्टफोन लेने के बाद
सबसे पहले करें ये 6 काम

यदि आप नया स्मार्टफोन खरीद रहे हैं तो आपको उसकी सिक्यॉरिटी के लिए भी जरूर कुछ करना चाहिए। इसके साथ ही आपके स्मार्टफोन में आपसे जुड़ी कई जानकारियां होती हैं, इसलिए आप जब भी कोई नया स्मार्टफोन लें, तो सबसे पहले ये 6 काम जरूर कर लें...

डिस्प्ले की सुरक्षा से समझौता नहीं

अपने स्मार्टफोन की सुरक्षा के लिए उस पर अच्छी क्वॉलिटी का टेम्पर्ड ग्लास लगवाएं। सामान्य स्क्रीन गार्ड फोन की स्क्रीन को सिर्फ स्क्रैच आदि से बचाता है, लेकिन यदि आपने टेम्पर्ड ग्लास लगवाया है तो फोन गिरने पर भी यह उसकी स्क्रीन की सुरक्षा करता है।

बैक कवर का इस्तेमाल करें

अपने स्मार्टफोन की बॉडी को स्क्रैच, निशान और डेंट आदि से बचाने के लिए हमेशा अच्छी क्वॉलिटी का ही बैक कवर खरीदें। आप बैक कवर की मदद से अपने फोन को तरह-तरह के स्टाइलिश लुक्स भी दे सकते हैं, हालांकि आपकी प्राथमिकता फोन की सुरक्षा ही होनी चाहिए।

अपने स्मार्टफोन का बीमा कराएं

आजकल कई कंपनियां यूजर्स को स्मार्टफोन का बीमा कराने का ऑफर कर रही हैं। इसके अंतर्गत फिजिकल डैमेज, लिक्विड डैमेज और किसी मैकेनिकल खराबी के लिए भी बीमा कवर दिया जाता है। अगर कभी समार्टफोन में इस तरह की दिक्कतें आ जाएं तो इससे ग्राहकों को काफी फायदा होता है।

AppLock का इस्तेमाल करें

अपने निजी मेसेज, फोटो और दूसरे डेटा को दूसरों की नजर से बचाने के लिए आपको AppLock का इस्तेमाल करना चाहिए। आप इसे ऐंड्रॉयड फोन के लिए गूगल प्लेस्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इसकी मदद से आप मोबाइल में मौजूद किसी भी ऐप, फोटो गैलरी आदि को लॉक कर सकते हैं।

फोन के चोरी होने पर ये करें

स्मार्टफोन के चोरी होने या खोने पर कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इनसे बचने के लिए अपने ऐंड्रॉयड स्मार्टफोन पर ऐंड्रॉयड डिवाइस मैनेजर ऐक्टिवेट करें। इससे आप स्मार्टफोन की लोकेशन का पता लगा सकते हैं। इसके लिए Google Settings में जाकर स्क्रॉल डाउन करें और Security ऑप्शन पर टैप करें। इसके बाद Android Device Manager पर जाकर Remotely locate this device और Allow remote lock and erase on or off को टिक कर दें। आपको Location की सेटिंग में जाकर Access to my location को भी ऑन करके रखना और फोन में गूगल साइन इन होना चाहिए।

ऐंटी-मैलवेयर सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल

आपके लिए स्मार्टफोन की स्क्रीन की सुरक्षा की तरह ही उसके डेटा की सुरक्षा करनी भी जरूरी है। नया फोन लेते ही सबसे पहले उसमें ऐंटी वायरस और डेटा सिक्यॉरिटी सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करें जिससे मोबाइल के महत्वपूर्ण डेटा और दूसरे सॉफ्टवेयरों की सुरक्षा को कोई खतरा न हो।

ड्राई फ्रुट्स खाने से होते हैं ये फायदें, जानें किसमें कितना प्रोटीन

आजकल की लाइफ स्टाइल इस तरह हो चुकी हैं कि लोगों को अपनी सेहत का भी ध्यान नही रहता। उन्हें अपनी सेहत के हिसाब से क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए।

लेकिन आज हम आपकी सेहत से जुड़े कुछ खास ड्राई फ्रूट्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको खाने से आपको काफी फायदा होगा। यह दिमाग के लिए टॉनिक का काम भी करते है।

कहते हैं कि दरअसल, सूखे मेवों की तासीर गर्म होती है इसलिए इन्हें भिगोकर खाया जाना चाहिए। क्योंकि इसके छिलके की ऊपरी परत पर दूषित कण होते हैं। मेवों से बने उत्पाद खाने की बजाय इन्हें ऐसे ही खाना चाहिए और बहुत जरूरी है कि इनकी एक सीमित मात्रा का ही उपयोग किया जाए।

मेवों में उच्च मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है इसलिए ऐसे लोग जिन्हें किडनी रोग, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल या पाचन संबंधी रोग हो वे इन्हें डॉक्टरी सलाह के बाद ही खाएं।

बादाम

कहते हैं बादाम में कैल्शियम,विटामिन ई, विटामिन बी और फाइबर मौजूद होते हैं। जिससे ये सेहत के लिए जितने अच्छे हैं, उतना ही अधिक सेवन सेहत के लिए नुकसानदायी है। इसलिए दिन में 5 बादाम से ज्यादा न खाएं।

काजू

बादाम के बाद बात करते हैं काजू की। काजू को ड्राय फ्रूट्स का राजा भी कहा जाता है। काजू को प्रोटीन,आयरन, फाइबर और मैगनीशियम का अच्छा स्रोत माना जाता है। काजू का सेवन शरीर को ऊर्जा देने के साथ कई बीमारियों से हमारी रक्षा करता है।

सूखी अंजीर

मोटापा कम करने में कारगर अंजीर चाहे भूख को नियंत्रित रखने में सहायक होती है लेकिन इसका अधिक सेवन जिगर के लिए हानिकारक हो सकता है। अंजीर बहुत गर्म होती है, इसलिए 5 दाने से ज्यादा न खाएं।

किशमिश

यदि आपकी याददाश्त कमज़ोर हो गई है और आप भूलने लगते हैं तो किशमिश का सेवन बहुत बढ़िया है। इसे एक बढ़िया एंटीऑक्सीडेंट माना जाता है, जो स्टैमिना बढ़ाता है। परंतु हमेशा इसका सेवन भिगोकर ही करना चाहिए।

पिस्ता

पिस्ता हृदय रोगियों के लिए बेहद लाभकारी है, यह विटामिन बी-6 का प्रमुख स्रोत है। डाइटिंग कर रही महिलाओं के लिए पिस्ता फायदेमंद होता है, क्योंकि इससे पेट ज़्यादा देर तक भरा रहता है।

संपादकीय

सड़कों पर संग्राम

हमने डॉक्टरों के कारखाने खुलते और कारोबार करते देखे हैं। हमने नेताओं के मेडिकल कॉलेज भी देखे हैं। नकली डॉक्टर भी देखे हैं। फर्जी लोगों ने परीक्षाएं भी दी हैं। पेपर लीक भी होते रहे हैं, आत्महत्याएं मनःस्थिति से जुड़ी हैं। किसी सामाजिक, राजनीतिक, पेशेवर समस्या का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन हमने इन संवेदनशील मुद्दों पर युवा, छात्र आंदोलन भड़कते नहीं देखे। इस साल भी 11 लाख से अधिक युवाओं ने 'नीट' परीक्षा पास की है, लेकिन उनमें से 9 लाख से अधिक युवाओं को मेडिकल से जुड़े किसी भी कोर्स में दाखिला नहीं मिलेगा। कारण, भारत में सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 1.36 लाख से कुछ अधिक ही सीटें हैं। उसके बाद बीडीएस, आयुर्वेदिक, होम्योपैथी, यूनानी आदि में भी करीब 80,000 सीटें हैं। क्या व्यवस्था है कि युवा ने 'नीट' भी पास कर ली और वह किसी भी तरह डॉक्टर नहीं बन पाया! शेष 9 लाख से अधिक सफल युवा क्या एकदम असफल साबित हो जाएंगे? तो हमारे युवाओ! हिंसक आंदोलन क्यों करते हो? ये तो बंजर हैं! आत्महत्याएं इस व्यवस्था का समाधान नहीं हैं। देश की आजादी के कुछ साल बाद ही पेपर लीक की घटनाएं सामने आने लगी थीं, शिक्षा-प्रणाली में आज भी विसंगतियां हैं, शिक्षा मंत्री सवालिया होते रहे हैं, लेकिन अनशन कितने हुए? दरअसल राजधानी दिल्ली में आंदोलनजीवी, प्रदर्शनकारियों और उत्पातियों की एक पेशेवर जमात है। उसके चेहरे शाहीन बाग, अन्ना हजारे-केजरीवाल, महिला पहलवानों के प्रदर्शन और किसान आदि आंदोलनों में भी दिखाई दिए। वामपंथी तर्ज पर नारे लगाना और डफली बजाना इनकी खास पहचान है। सोनम वांगचुक के अनशन के दौरान भी यह जमात सक्रिय रही। उन्हें कौन 'फंडिंग' करता है? 'मोदी मर जा', 'शाह मर जा', 'मोदी को पीटेंगे', 'अनुच्छेद 370' और 'आजादी, आजादी' सरीखे नारों का शिक्षा की विसंगतियों और नीट पेपर लीक से क्या सरोकार है? यह उपद्रवियों की पेशेवर जमात का खास हुनर है, उनकी पेशेवर ट्रेनिंग है। बीते सोमवार, 20 जुलाई, को संसद सत्र के पहले ही दिन, संसद भवन के 1.5 किमी. के दायरे में, हजारों युवाओं की ऐसी भीड़ आक्रोशित हो गई कि संसद भवन के सभी मोटे-बड़े मेन गेट बंद करने पड़े। हजारों पुलिसकर्मियों के अलावा, अर्द्धसैनिक बलों, रैपिड एक्शन फोर्स, पानी की तेज बौछार मारने वाले बल के जवानों को सड़कों पर उतारना पड़ा। देश की राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला एकदम सामने आ गया। बेशक भारत सबसे युवा राष्ट्र है। उसकी करीब 65 फीसदी आबादी की औसतन उम्र 35 साल है। 15-29 साल के आयु-वर्ग के 56 करोड़ से अधिक युवा हैं। वे भारत की ताकत और भविष्य हैं, लिहाजा किसी भी सूरत में उनका भरोसा टूटना नहीं चाहिए। लेकिन जो भीड़ संसद भवन में घुसना चाहती थी, वह वामदलों, कांग्रेस, 'आप' के छात्र-संगठनों के पेशेवर चेहरे थे। अचानक मनीष सिसोदिया, संजय सिंह सांसद सरीखे आप नेता और सांसद डिंपल यादव के नेतृत्व में सपा का हुजूम सड़कों पर कैसे आ गया? यकीनन यह राजनीतिक कवायद थी। अनशन और 'संसद चलो' का यह कथित आंदोलन पूरी तरह 'राजनीतिक' है, क्योंकि उनकी पहली मांग शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा है। वांगचुक की भी इच्छा है कि विभिन्न सांसद और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि अस्पताल में आकर उनसे मिलें और उनकी मांगों पर आश्वासन दें। बहरहाल यदि यह शैक्षिक प्रदर्शन था, तो किन युवाओं ने पथराव किए, नतीजतन 5 आईपीएस अधिकारियों समेत 118 पुलिसकर्मी घायल हुए। यह कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है। बेशक 60 से अधिक प्रदर्शनजीवी भी घायल हुए हैं। करीब 70 लोग हिरासत में लिए गए हैं। इस पूरे उपद्रव के दौरान एक ऐसा नाम सामने आता रहा, जो कीट-भाव पैदा करता है। कीट-मकौड़ों की जनता नहीं हुआ करती, उनका लोकतंत्र नहीं होता, तिलचट्टे घर-घर पैदा होते रहे हैं, लिहाजा 'कॉकरोच जनता पार्टी' हमारे लोकतंत्र और राजनीतिक दलों पर एक भद्दा मजाक है। उसे 'राजनीतिक व्यंग्य' भी नहीं मान सकते। उसका चुनाव आयोग में कोई पंजीकरण नहीं है और न ही इस नाम से मान्यता दी जानी चाहिए।

पेपर लीक भी होते रहे हैं, आत्महत्याएं मन :स्थिति से जुड़ी हैं। किसी सामाजिक, राजनीतिक, पेशेवर समस्या का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन हमने इन संवेदनशील मुद्दों पर युवा, छात्र आंदोलन भड़कते नहीं देखे। इस साल भी 11 लाख से अधिक युवाओं ने 'नीट' परीक्षा पास की है, लेकिन उनमें से 9 लाख से अधिक युवाओं को मेडिकल से जुड़े किसी भी कोर्स में दाखिला नहीं मिलेगा। कारण, भारत में सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 1.36 लाख से कुछ अधिक ही सीटें हैं। उसके बाद बीडीएस, आयुर्वेदिक, होम्योपैथी, यूनानी आदि में भी करीब 80,000 सीटें हैं। क्या व्यवस्था है कि युवा ने 'नीट' भी पास कर ली और वह किसी भी तरह डॉक्टर नहीं बन पाया! शेष 9 लाख से अधिक सफल युवा क्या एकदम असफल साबित हो जाएंगे? तो हमारे युवाओ! हिंसक आंदोलन क्यों करते हो? ये तो बंजर हैं! आत्महत्याएं इस व्यवस्था का समाधान नहीं हैं। देश की आजादी के कुछ साल बाद ही पेपर लीक की घटनाएं सामने आने लगी थीं, शिक्षा-प्रणाली में आज भी विसंगतियां हैं, शिक्षा मंत्री सवालिया होते रहे हैं

धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है

संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है। राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे घरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकर्ताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उजावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार-बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रूवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना। जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मर्यादा भी जुड़ी होती है। प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल जनता के लिए नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी उत्तरदायित्व का नाम है। सरकार को भी आंदोलनों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। जब भी किसी वर्ग, विशेषकर युवाओं और छात्रों में असंतोष उत्पन्न हो, तो उसका समय रहते समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। संवाद के दरवाजे जितनी जल्दी खुलेंगे, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी शक्ति उसका धैर्य, संवेदनशीलता और संवाद की इच्छा होती है। इतिहास साक्षी है कि भारत के अधिकांश सफल जनआंदोलन अहिंसा और संवाद की शक्ति से ही सफल हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व को यह संदेश दिया कि सत्य और अहिंसा सबसे बड़े अस्त्र हैं। वर्ष 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन आंदोलन का नैतिक बल उसकी शांति और अनुशासन में था। उसी कारण सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना पड़ा और पूरे देश में एक सकारात्मक बहस प्रारंभ हुई। इसके विपरीत जहां-जहां आंदोलनों ने हिंसा का मार्ग अपनाया, वहां उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट गया और चर्चा केवल हिंसा तक सीमित होकर रह गई। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी कौन-सी शक्तियां हैं, जो सामान्य और भोली-भाली जनता एवं देश के युवाओं को हिंसा की ओर धकेल देती हैं? कौन-से तत्व आंदोलनों की दिशा बदलकर उन्हें अराजकता में परिवर्तित कर देते हैं? यह चिंता केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन यदि असहमति के मंच पर राष्ट्रविरोधी, अराजक अथवा हिंसक तत्व सक्रिय हो जाएं, तो उन्हें नियंत्रित करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व बन जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता की स्वतंत्रता नहीं हो सकता। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ ण्वं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है। लोकतंत्र की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन अधिक आक्रामक है, बल्कि इस बात में है कि कौन अधिक संयमित और उत्तरदायी है। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि दोनों के बीच संवाद समाप्त हो जाएगा, तो लोकतंत्र टकराव का अखाड़ा बन जाएगा। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि असहमति को सम्मानपूर्वक सुनना भी है। लोकतंत्र में किसी की पूर्ण विजय या पूर्ण पराजय नहीं होती, यहां अंततः संवाद, सहमति और समाधान ही सबसे बड़ी जीत होती है। छात्रों और युवाओं की समस्याओं का समाधान भी अत्यंत आवश्यक है। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा हैं। यदि उनकी आशाओं और अपेक्षाओं की उपेक्षा होगी, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह युवाओं से नियमित संवाद स्थापित करे, उनकी समस्याओं को समयबद्ध ढंग से सुने और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि हिंसा उनके आंदोलन की सबसे बड़ी शत्रु है। पत्थर और लाठी किसी समस्या का समाधान नहीं करते, वे केवल संवाद के पुलों को तोड़ते हैं। आज आवश्यकता लोकतंत्र को अधिक परिपक्व बनाने की है। हमें ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें विरोध हो, लेकिन वैमनस्य न हो। मतभेद हों, लेकिन मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन हिंसा न हो। लोकतंत्र में बहस जितनी प्रखर होगी, राष्ट्र उतना ही मजबूत होगा। किंतु बहस का स्थान यदि हिंसा ले लेगी, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होगी। जंतर-मंतर से संसद तक जो कुछ हुआ, उसे लोकतांत्रिक आदर्श नहीं कहा जा सकता। यह किसी परिपक्व राजनीतिक सोच का भी परिचायक नहीं है। राष्ट्र निर्माण का मार्ग टकराव नहीं, सहयोग है। हिंसा नहीं, सहमति है। उग्रता नहीं, उदारता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी पक्ष अपने-अपने आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें। आज देश को ऐसे नेतृत्व और ऐसी जनचेतना की आवश्यकता है जो संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे। सरकार उदारता और संवेदनशीलता दिखाए, आंदोलनकारी संयम और अनुशासन अपनाएं तथा राजनीतिक दल अल्पकालिक लाभ के बजाय लोकतंत्र की दीर्घकालिक मजबूती को प्राथमिकता दें। यही भारत की लोकतांत्रिक परंपरा की वास्तविक पहचान भी है और भविष्य की आवश्यकता भी। अंततः यही कामना की जानी चाहिए कि जिन शक्तियों के कारण आंदोलनों में हिंसा और टकराव का वातावरण बनता है, उन्हें सद्बुद्धि प्राप्त हो।

पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है।

देश दुनिया से

सोनम वांगचुक के आंदोलन की अनदेखी का प्रश्न

दिल्ली के बीचों-बीच जंतर-मंतर से बस थोड़ी ही दूर, जहां सोनम वांगचुक भूख हड़ताल पर बैठे थे, भारत की संसद है जो जल्द ही शुरू होने वाले मॉनसून सत्र की तैयारी कर रही थी। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग को लेकर वांगचुक का अनशन 21वें दिन में प्रवेश कर गया था। उसके दो दिन पहले एक जनहित याचिकाकर्ता ने कहा था कि अगर उन्हें जल्द ही कुछ खाने को नहीं मिला, तो उनका जीवन संकट में पड़ सकता है। एक मेडिकल टीम वहां मौजूद रही और विपक्ष के कई नेता सोनम से हड़ताल खत्म करने को कह रहे थे; उनका कहना था कि उन्होंने अपनी बात रख दी है, लेकिन दिल्ली के दिल में भारी सन्नाटा पसरा रहा। क्या सोनम वांगचुक को उनके हालात पर छोड़ दिया जाना चाहिये? आख़िरकार, किसी ने उनसे धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग करते हुए आमरण अनशन करने के लिए नहीं कहा। कुछ लोग कहेंगे कि इस हड़ताल में दबाव बनाने की नीति जैसा कुछ है, तो कुछ इसे ताकतवर लोगों की दुनिया में जनता की निराशा की पुकार मानेंगे। निश्चित रूप से, वांगचुक और उनके साथियों का मानना है कि नीट परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी के लिए किसी को तो ज़िम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, वे गड़बड़ियां जिन्हें टाला जा सकता था और जिसने लाखों छात्रों को प्रभावित किया है। कुछ लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए-वरना इतने हंगामे और गुस्से का क्या मतलब था अगर इसका कोई नतीजा नहीं निकलने वाला? जंतर-मंतर पर वांगचुक के धरना स्थल (अब पुलिस हिरासत में अस्पताल में उपचाराधीन) के पास ही, मॉनसून सत्र की शुरुआत वाले दिन जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला केंद्र सरकार द्वारा राज्य का दर्जा बहाल करने से इनकार करने के विरोध में एक दिन का प्रदर्शन करने की योजना बना रहे थे। हालांकि उमर को तब तक प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं मिली थी। इतना ही नहीं, श्रीनगर से उनकी पार्टी के सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी ने उमर पर अनुच्छेद 370 की वापसी के लिए लड़ने के अपने वादे से पीछे हटने का आरोप लगाया। मेहदी गरजते हुए कहते हैं कि

कश्मीर के लिए विशेष दर्जा, पूर्ण राज्य के दर्जे से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है। इल्जाम मौसम को दिया जा सकता है, गर्मी इतनी है कि तल्खियां बढ़ी हुई हैं, खासकर जब बारिश नहीं हो। शायद देवता नाराज़ हैं। फिर, अयोध्या में भी चोरी की घटना हुई है। तो क्या मेहदी की नाराज़गी यह संकेत देती है कि वे उमर से इतने नाराज़ हैं कि नेशनल कॉन्फ्रेंस में भी दो फाड़ हो सकता है? या हो सकता है कि मेहदी सही समय का इंतज़ार कर रहे हों और वंशवाद का पासा पलटने की उम्मीद पाले हैं। या फिर वे नेशनल कॉन्फ्रेंस में ही बने रहें, लेकिन जब भी भाजपा परिसीमन बिल लाने की योजना बनाए, तो उसके पक्ष में मतदान करें। इस बिल का मकसद विस्तारित संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत कोटा तय करना है- और यह समझने में कोई गलती न रहे कि इस बिल का मकसद चुनाव क्षेत्रों का नए सिरे से गठन करना है, जिससे भारत में मतदान का तरीका बदलेगा और लोकसभा की संरचना में भी बुनियादी बदलाव आएगा। संविधान में इतना बड़ा बदलाव करने के लिए, संविधान को सरसरी तौर पर पढ़कर भी आप समझ सकते हैं, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को दो-तिहाई बहुमत की ज़रूरत है- यानी निचले सदन की 543 सीटों में से 360 सीटें, जबकि अभी उनके पास 293 सीटें हैं। अगर वे उस बिल को दोबारा लाना चाहते हैं जो पिछले ही अप्रैल में सदन में गिर गया था, तो उन्हें 67 और सांसदों का साथ चाहिए होगा। और जैसा कि महान चाणक्य ने कहा था, प्यार, जंग और राजनीति में सब कुछ जायज़ है। इसीलिए टीएमसी की टूटन उनके काम आ रही है- 28 में से 20 सांसदों ने एक निर्दलीय पार्टी बना ली है जो बाहर से भाजपा का समर्थन करेगी; साथ ही शिवसेना (यूबीटी) का भी बुरा हाल है, जहां नौ में से छह सांसद पार्टी छोड़कर शिवसेना के ही भाजपा-समर्थक एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो गए हैं; वहीं शरद पवार की एनसीपी में भी यह डर बना हुआ है कि अगर उन्होंने परिसीमन बिल के पक्ष में वोट नहीं दिया तो पार्टी खत्म हो जाएगी। इस तरह, भले ही मॉनसून के बादल नहीं बरसे, लेकिन 18वीं लोकसभा की फिज़ा काफी हद तक बदल चुकी है। जब मॉनसून सत्र शुरू होगा, तो यह उस लोकसभा से बिल्कुल अलग दिखेगी जिसे दो साल पहले हम लोगों ने चुना था, और यह सब बिना किसी चुनाव के हो गया। कुछ राज्यों में, मसलन, जम्मू-कश्मीर में, स्थिति आसान है। राज्य की कुल संसदीय 5 सीटों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के पास सिर्फ़ 2 सीटें हैं- 2 सीटें भाजपा के पास हैं और एक सीट बारामूला के इंजीनियर राशिद के पास है, जो निर्दलीय सांसद हैं। अगर मेहदी हाथ मिलाने को राजी हो जाएं और इंजीनियर राशिद को मनाया जा सके-क्योंकि 21वीं सदी में कौन नहीं लैंगिक समानता के पक्ष में होना चाहेगा? ध्यान रहे कि दिल्ली हाईकोर्ट ने राशिद को संसद में शामिल होने की इजाज़त चंद दिन पहले ही दी है। शायद अब समय आ गया है कि आप अपनी पसंदीदा किताब 'जूलियस सीज़र' को फिर से पढ़ें। बंगाल में, तृणमूल कांग्रेस नेता मदन मित्रा- जिन्होंने कभी ममता बनर्जी के प्रति वफादारी की कसम खाई थी और टीएमसी से अलग हुए गुट के नेता रिताब्रत बनर्जी को ऐसी गालियां दी थीं जिन्हें सुनकर शरम आ जाए- उन्होंने इसके एक दिन बाद ही पाला बदल लिया और रिताब्रत बनर्जी के साथ चले गए।

कुछ अलग

जागते रहो! जागते रहो!

लगता होगा, जिनका ऑफिस दस से पांच बजे तक लगता होगा। मेरा ऑफिस तो पांच बजे के बाद तब शुरू होता है जब मेरे जनता के प्रति जवाबदेह ग्यारह बजे आकर चार बजे अपना लंच बॉक्स उठाए खिसक लेते हैं। ऑफिस में पांच बजे के बाद काम करने का जो आनंद है, वह दस से पांच बजे करने में कहां? आज फिर राज के दस बजे जनता के काम निपटा अपने को एक्कस्ट्रा ऑर्डिनरी ड्यूटीफुल फील करता दबे कदमों घर आ रहा था कि गली में जागते रहो! जागते रहो! की आवाजें सुनाई दीं तो मैं चौंका। आखिर ये गली वालों से जागने की अपील कौन कर रहा है? वह भी रात को। जबकि मेरी गली वाले तो दिन को भी बहुधा सोए रहते हैं। जागते रहो! जागते रहो की आवाजें मेरे नजदीक आईं या मैं उनके निकट पहुंचा तो देखा, अपनी गली के तीन चार अपने अपने सुबह शाम पूजनीय एक हाथ में लालटेन तो दूसरे में डंडा लिए गली वालों से जागते रहने की भावभीनी अपील कर रहे थे। उनमें से एक जो मेरे थे, को मैंने पहचाना तो उनसे हाथ जोड़ते पूछा, 'दाता! भक्तों की आस्था की बची नाक क्यों काट रहे हो? क्या वे सारे नपुंसक हो गए या फिर...।' 'नहीं, अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं बस! सरकार के खजाने में तो डाके पड़ते ही रहते थे, पर अब जगह जगह हमारे घरों में भी डाके डलने लगे हैं', मेरे पूजनीय ने सहमे सहमे कहा तो उनमें से एक ने फिर आवाज दी, जागते रहो! जागते रहो! 'उस बेचारी के पहले ही वीवीआइपियों की सुरक्षा करते करते इतने बुरे हाल हैं कि...', कह वे पता नहीं क्यों चौकन्ने हो इधर उधर देखने लगे।

आप का नज़रिया

संसद की गरिमा सर्वोपरि

लोकतंत्र के मंदिर में अराजकता किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं

भारत की संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है, जहाँ देशहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर, सार्थक एवं रचनात्मक चर्चा होनी चाहिए। दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ विपक्षी दलों के सांसदों द्वारा संसद की कार्यवाही में लगातार व्यवधान उत्पन्न करना, नारेबाजी करना, सदन की गरिमा को ठेस पहुँचाना तथा जनता के बहुमूल्य समय और धन की बर्बादी करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है।

संसद का प्रत्येक मिनट देश के करोड़ों करदाताओं की मेहनत की कमाई से संचालित होता है। जब जनप्रतिनिधि जानबूझकर सदन की कार्यवाही बाधित करते हैं, तो उसका सीधा नुकसान देश और जनता को उठाना पड़ता है। ऐसी स्थिति में केवल निंदा पर्याप्त नहीं है, बल्कि कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई भी आवश्यक है।

जो सांसद सदन की कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करने, अनुशासनहीनता फैलाने अथवा संसद की गरिमा को ठेस पहुँचाने के दोषी पाए जाएँ, उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाना चाहिए। इतना ही नहीं, जिस दिन उनकी वजह से संसद की कार्यवाही बाधित हुई हो, उस दिन का वेतन एवं भत्ते भी उन्हें नहीं दिए जाने चाहिए। संसद की कार्यवाही बाधित होने से जो आर्थिक हानि हुई है, उसकी भरपाई भी दोषी सांसदों से करदाताओं के हित में कराई जानी चाहिए।

अब समय आ गया है कि संसद के सुचारु संचालन के लिए और अधिक स्पष्ट, कठोर एवं प्रभावी नियम बनाए जाएँ तथा उनका निष्पक्ष और समान रूप से पालन सुनिश्चित किया जाए। लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का संवैधानिक अधिकार है, किंतु विरोध का भी एक मर्यादित, संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीका होता है। अराजकता, हंगामा और कार्यवाही को ठप करना लोकतंत्र की मूल भावना के अनुरूप नहीं है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जो जनप्रतिनिधि देश के लिए कानून बनाने की जिम्मेदारी निभाते हैं, यदि वही संसद की मर्यादा और नियमों का उल्लंघन करेंगे, तो समाज में अनुशासन, कानून और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सम्मान की भावना कैसे विकसित होगी? ऐसे आचरण से जनता का लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास कमजोर पड़ता है, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है।

संसद की गरिमा, अनुशासन और मर्यादा किसी भी राजनीतिक दल से ऊपर है। सभी दलों के जनप्रतिनिधियों का यह नैतिक एवं संवैधानिक दायित्व है कि वे संसद की प्रतिष्ठा बनाए रखें तथा जनहित को सर्वोपरि रखते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। लोकतंत्र की मजबूती स्वस्थ बहस, सार्थक संवाद और जिम्मेदार आचरण से होती है, न कि अव्यवस्था, टकराव और निरंतर व्यवधान से।देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था की प्रतिष्ठा बनाए रखना प्रत्येक जनप्रतिनिधि की सामूहिक जिम्मेदारी है। संसद की गरिमा की रक्षा करना केवल नियमों का पालन भर नहीं, बल्कि संविधान, लोकतंत्र और देश की जनता के प्रति उत्तरदायित्व का निर्वहन भी है। अतः आवश्यक है कि सभी राजनीतिक दल दलगत हितों से ऊपर उठकर संसद की मर्यादा, अनुशासन और लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करें, ताकि देश की जनता का विश्वास लोकतांत्रिक संस्थाओं में और अधिक सुदृढ़ हो।

– डॉ. अजय कुमार अग्रवाल
राष्ट्रीय अध्यक्ष
इंटरनेशनल चैंबर्स ऑफ पब्लिक रिलेशंस
ब्रिटिश संसद, लंदन में अंतरराष्ट्रीय भारत गौरव सम्मान से सम्मानित
गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स होल्डर
ग्लोबल आइकॉन अवॉर्ड, दुबई से सम्मानित

दृष्टि कोण

प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता का संकट

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्नपत्र केवल प्रश्नों का संग्रह नहीं होता, बल्कि करोड़ों युवाओं के सपनों, अभिभावकों के त्याग और राष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता का दस्तावेज होता है। जब किसी प्रतिष्ठित परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने की खबर सामने आती है, तो केवल परीक्षा की निष्पक्षता ही नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था पर जनता का विश्वास भी डगमगा जाता है। नीट-यूजी 2026 के पेपर लीक और उसके बाद हुई पुनर्परीक्षा ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की सफलता केवल परिणाम घोषित करने में नहीं, बल्कि निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने में निहित है। यह घटना केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे भारतीय परीक्षा तंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है, जिसे नजरअंदाज करना भविष्य के लिए महंगा साबित हो सकता है। नीट देश की सबसे प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षाओं में से एक है। हर वर्ष लाखों विद्यार्थी डॉक्टर बनने का सपना लेकर वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। अनेक परिवार अपनी जमा पूंजी बच्चों की शिक्षा पर खर्च कर देते हैं, कुछ ऋण लेते हैं, तो कुछ अपनी आवश्यकताओं में कटौती करते हैं ताकि उनके बच्चे बेहतर तैयारी कर सकें। ऐसे में यदि परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग जाए, तो सबसे अधिक पीड़ा उन विद्यार्थियों और अभिभावकों को होती है जिन्होंने सफलता का आधार केवल ईमानदार मेहनत को माना होता है। पुनर्परीक्षा आयोजित करना परिस्थितियों में आवश्यक कदम हो सकता है, लेकिन यह कभी भी आदर्श समाधान नहीं हो सकता, क्योंकि इससे लाखों ईमानदार अभ्यर्थियों को दोबारा मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है। कई विद्यार्थी जो पहले प्रयास में ही आत्मविश्वास से भरे हुए थे, पुनर्परीक्षा के तनाव में अपना संतुलन खो बैठते हैं, और यह अनुभव उनके मानसिक स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ सकता है। इन आंकड़ों और नीतिगत चर्चाओं के पीछे लाखों वास्तविक चेहरे और कहानियां छिपी होती हैं- वह

विद्यार्थी जो रात-रात भर जागकर पढ़ता रहा, वह माता-पिता जिन्होंने अपने सपनों को बच्चे की सफलता में देखा, और वह क्षण जब खबर आती है कि जिस परीक्षा के लिए इतना त्याग किया गया, वही अविश्वसनीय निकली। ऐसे में विद्यार्थियों के मन में उठने वाला गुस्सा और निराशा स्वाभाविक है, और इसे केवल एक तकनीकी या प्रशासनिक चूक के रूप में नहीं, बल्कि लाखों जिंदगियों पर पडने वाले वास्तविक भावनात्मक प्रभाव के रूप में भी समझा जाना चाहिए। यह समस्या केवल नीट तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती, कर्मचारी चयन, विश्वविद्यालय प्रवेश और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भी पेपर लीक अथवा परीक्षा संबंधी अनियमितताओं के मामले सामने आए हैं। प्रत्येक ऐसी घटना युवाओं के मन में यह प्रश्न छोड़ जाती है कि क्या उनकी वर्षों की मेहनत वास्तव में सुरक्षित है। यदि प्रतिभा के स्थान पर छल और भ्रष्टाचार को अवसर मिलने लगे, तो नुकसान केवल किसी परीक्षा का नहीं होता, बल्कि समाज की नैतिक चेतना और लोकतांत्रिक मूल्यों का भी होता है। प्रतिभाशाली युवाओं का व्यवस्था से विश्वास उठना किसी भी राष्ट्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। जब मेधावी छात्र यह महसूस करने लगते हैं कि ईमानदारी से अधिक महत्व साधनों और संपर्कों का है, तो वे या तो व्यवस्था छोडने का विकल्प चुनते हैं या स्वयं भी अनुचित मार्गों की ओर आकर्षित होने लगते हैं। यह प्रवृत्ति दीर्घकाल में पूरे समाज के लिए हानिकारक सिद्ध होती है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष जवाबदेही है।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में इन भारतीय खिलाड़ियों पर रहेंगी पदक की सबसे बड़ी उम्मीदें

नई दिल्ली

23 जुलाई से 2 अगस्त तक स्काटलैंड के ग्लासगो में आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय दल एक बार फिर दमदार प्रदर्शन के इरादे से उतरेगा। अनुभवी सितारों और युवा खिलाड़ियों के मिश्रण वाली भारतीय टीम से कई स्पर्धाओं में पदक की उम्मीद की जा रही है। खासकर नीरज चोपड़ा, मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहैन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर देश की नजरें टिकी होंगी।

इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में 74 देशों और क्षेत्रों के तीन हजार से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, तैराकी, कलात्मक जिम्नास्टिक, ट्रैक साइकिलिंग, नेटबाल, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, जूडो, बाउल्स और 3×3 बास्केटबाल समेत 10 खेल शामिल हैं।

नीरज चोपड़ा पर फिर रहेंगी स्वर्ण पदक की उम्मीदें

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा एक बार फिर भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। उनसे स्वर्ण पदक की सबसे मजबूत उम्मीद मानी जा रही है।

मीराबाई चानू रच सकती हैं गोल्ड की हैट्रिक

भारोत्तोलन में भारत की स्टार खिलाड़ी मीराबाई चानू अब तक राष्ट्रमंडल खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने 2018 गोल्ड कोस्ट और 2022 बर्मिंघम खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। ग्लासगो में वह लगातार तीसरा स्वर्ण जीतकर इतिहास रचने के इरादे से उतरेंगी।

लवलीना बोरगोहैन से मुक्केबाजी में बड़ी आस

टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और 2023 विश्व चैंपियन लवलीना बोरगोहैन महिलाओं के 75 किलोग्राम वर्ग में भारत की सबसे बड़ी पदक दावेदार होंगी। अपनी निरंतरता और अनुभव के दम पर उनसे स्वर्ण पदक की उम्मीद की जा रही है।

गुरिंदरवीर सिंह पर होगी सबकी नजर

भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने इस वर्ष 100 मीटर राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ते हुए 10.09 सेकंड का समय निकाला था। राष्ट्रमंडल खेलों में वह पहली बार हिस्सा लेंगे और एथलेटिक्स में भारत के लिए पदक जीतने की क्षमता रखते हैं। प्रणति नायक जिम्नास्टिक में करेंगी चुनौती पेश अनुभवी जिम्नास्ट प्रणति नायक कलात्मक जिम्नास्टिक में भारत की चुनौती का नेतृत्व करेंगी। उनका लक्ष्य राष्ट्रमंडल खेलों में पहला पदक जीतकर इतिहास रचना होगा।

युवा खिलाड़ियों से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

इन दिग्गज खिलाड़ियों के अलावा सरवेश कुशारे और ज्ञानेश्वरी यादव जैसे युवा खिलाड़ी भी पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेंगे। उनसे भविष्य की मजबूत भारतीय टीम की नींव रखने वाले प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। भारत 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी भी करेगा। ऐसे में ग्लासगो में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन न केवल पदकों के लिहाज से अहम होगा, बल्कि अहमदाबाद 2030 की तैयारियों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एफआईएच यूथ हाकी5एस एशियाई चैंपियनशिप: भारत की पुरुष और महिला टीमें अपराजेय

मस्कट (ओमान)। एफआईएच यूथ हाकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में भारतीय सब-जूनियर पुरुष और महिला टीमों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। मंगलवार को एलीट पूल मुकाबलों में पुरुष टीम ने मेजबान ओमान और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराया, जबकि महिला टीम ने चीन के साथ मुकाबला ड्रा खेलने के बाद उज्बेकिस्तान को एकतरफा अंदाज में शिकस्त दी। भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम ने रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 7-4 से पराजित किया। भारत की ओर से करण गौतम ने 5वें, 9वें और 19वें मिनट में गोल दागकर हैट्रिक पूरी की। इसके अलावा राहुल यादव (3), प्रह्लाद राजभर (10), कप्तान केतन कुशवाहा (11) और रोमित पाल (11) ने एक-एक गोल किया। पाकिस्तान के लिए असलम मुहम्मद फरहान (6), अदील (8) और उस्मान मुहम्मद (10, 16) ने गोल किए। इससे पहले भारतीय पुरुष टीम ने मेजबान ओमान को 14-0 से करारी शिकस्त दी। कप्तान केतन कुशवाहा ने चार गोल (6, 11, 15, 20) दागे, जबकि आशीष तानी पूर्ति ने (1, 16, 19) हैट्रिक बनाई। राहुल यादव (2, 12) और शाहरुख अली (3, 13) ने दो-दो गोल किए। वहीं प्रह्लाद राजभर (9), करण गौतम (15) और रोमित पाल (18) ने भी गोल कर भारत की बड़ी जीत में योगदान दिया। वहीं, भारतीय सब-जूनियर महिला टीम ने अपने दूसरे एलीट पूल मुकाबले में चीन के साथ 2-2 से ड्रा खेला। चीन के लिए चेन गे ने चौथे मिनट में बढ़त दिलाई।

सिडनी सिक्सर्स के मुख्य कोच बने मैथ्यू माट, दो साल का करार

सिडनी। आस्ट्रेलिया के अनुभवी कोच मैथ्यू माट को बिग बैश लीग (बीबीएल) फ्रेंचाइजी सिडनी सिक्सर्स की पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। 52 वर्षीय माट के साथ फ्रेंचाइजी ने दो साल का अनुबंध किया है। वह बीबीएल-16 से पहले यह जिम्मेदारी संभालेंगे। माट ने जेम्स होप्स की जगह ली है, जिन्होंने पिछले महीने क्वींसलैंड और ब्रिस्बेन हीट के साथ दोहरी कोचिंग भूमिका स्वीकार करने के बाद पद छोड़ दिया था। मैथ्यू माट पिछले दो सीजन से सिडनी सिक्सर्स की पुरुष टीम के सहायक कोच थे। इसके बाद उन्होंने पिछले सीजन महिला टीम की कमान संभाली और टीम को डब्ल्यूबीबीएल चैलेंजर तक पहुंचाया। सिडनी सिक्सर्स इस सप्ताह महिला टीम के नए मुख्य कोच की घोषणा करेगी। मैथ्यू माट का कोचिंग करियर दो दशक से अधिक लंबा और बेहद सफल रहा है। उन्होंने 2022 से 2024 तक इंग्लैंड की पुरुष सीमित ओवर टीम के मुख्य कोच के रूप में कार्य किया और जोस बटलर की कप्तानी में टीम को 2022 टी20 विश्व कप का खिताब दिलाया। इससे पहले वह 2015 से 2022 तक आस्ट्रेलिया की महिला टीम के मुख्य कोच रहे, जहां उनके मार्गदर्शन में टीम ने दो टी20 विश्व कप, 2022 महिला वनडे विश्व कप, चार एशेज सीरीज जीतीं और लगातार 26 वनडे मैच जीतने का विश्व रिकार्ड भी बनाया। नियुक्ति के बाद मैथ्यू माट ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं लंबे समय से सिक्सर्स परिवार का हिस्सा रहा हूं।

बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेट के लिए नीयमों में किया बदलाव, जानबूझकर नो-बाल फेंकी तो मैच से बाहर होगा गेंदबाज

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेल क्रिकेट के नीयमों में बदलाव की घोषणा कही है। बोर्ड ने आगामी 2026-27 घरेलू क्रिकेट सीजन के लिए खेल के नियमों में ये बदलाव इसे और बेहतर बनाने के लिए किये हैं। इसमें सबसे प्रमुख बदलाव ये है कि अगर कोई गेंदबाज जानबूझकर फ्रंट-फुट पर नो-बाल या नान-लैंडिंग गेंद करता है, तो उसे केवल उस पारी से नहीं, बल्कि पूरे मैच से निलंबित कर दिया जाएगा। ये बदलाव खेल की अखंडता और रणनीतिक दुरुपयोग को रोकने के लिए किये गये है। ये बदलाव मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की सिफारिशों को देखते हुए किया गया है। वहीं अब तक दोषी गेंदबाज को केवल उस पारी में गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं होती थी। हालांकि, अब मैदानी अंपायर यदि यह निर्धारित करते हैं कि किसी गेंदबाज ने जानबूझकर फ्रंट-फुट नो-बाल या नान-लैंडिंग गेंदबाज की है, तो उसे उस पूरे मैच में गेंदबाजी करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। यह कदम खेल में अनुचित लाभ उठाने के प्रयासों को रोकने के लिए उठाया गया है। वहीं दिन के खेल के समाप्त होने से जुड़े नियम में भी बदलाव किया गया है। अब से, यदि दिन के आखिरी ओवर के दौरान कोई विकेट गिरता है, तो खेल वहीं समाप्त नहीं होगा। इसकी जगह ओवर पूरा कराया जाएगा, जिससे नई बल्लेबाजी करने वाली टीम को दिन के अंत में क्रीज पर तुरंत आने की चुनौती का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह परिवर्तन खेल को और अधिक गतिशील बनाने में मदद करेगा। नियम 15.2 के तहत, अब किसी भी टीम को मैच की अंतिम पारी में पारी घोषित ने की अनुमति नहीं होगी।

टी-20 में जीत की राह पर लौटने उतरेगा भारत जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में अय्यर की अग्निपरीक्षा

हरारे

लगातार टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम गुरुवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी-20 सीरीज में जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत की पटरी पर लौटने के इरादे से मैदान में उतरेगी। कप्तान श्रेयस अय्यर अपनी कप्तानी में पहली सीरीज जीत दर्ज करने की कोशिश करेंगे, जबकि युवा भारतीय टीम के सामने हालिया असफलताओं को पीछे छोड़ने की चुनौती होगी।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत ने शुरुआती सात टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में छह मैच गंवाए हैं। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज हारने के बाद जिम्बाब्वे दौरा टीम के लिए आत्मविश्वास हासिल करने का सुनहरा मौका है। हालांकि भारत इस सीरीज में प्रबल दावेदार माना जा रहा है, लेकिन हार टीम के ड्रेसिंग रूम पर बड़ा असर डाल सकती है। इस दौरे पर मुख्य कोच गौतम गंभीर की जगह वीवीएस लक्ष्मण टीम की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऐसे में टीम संयोजन और रणनीति पर भी सभी की नजरें रहेंगी।

वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी निगाहें - युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर आकर्षण का केंद्र होंगे। उनके साथ अभिषेक शर्मा पारी की शुरुआत करेंगे, जबकि संजू सैमसन इस दौरे के लिए टीम में शामिल नहीं हैं। हरारे स्पोर्ट्स क्लब का मैदान अभिषेक और वैभव दोनों के लिए खास रहा है। अभिषेक ने यहीं टी-20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और दूसरे ही मैच में शतक जड़ा था। वैभव ने इसी मैदान पर इस साल अंडर-19 विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार शतक लगाया था।

गेंदबाजी और मध्यक्रम सबसे बड़ी चुनौती - हरारे की पिच पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त उछाल और मदद मिलने की संभावना है। ऐसे में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगरावा भारतीय बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

मध्यक्रम में उपकप्तान तिलक वर्मा की बल्लेबाजी क्रम को लेकर भी चर्चा है। उन्हें नंबर-5 पर सफलता नहीं मिली है, जबकि ईशान किशन नंबर-3 की भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में रिंकू सिंह भी मध्यक्रम में मजबूत विकल्प माने जा रहे हैं। आलराउंडर संयोजन में हर्ष दुबे, शिवम दुबे और सूर्यांश शेडगे में से दो खिलाड़ियों का चयन करना टीम प्रबंधन के लिए आसान नहीं होगा। तेज गेंदबाजी आक्रमण में मयंक यादव, प्रिंस यादव, अशोक शर्मा और यश ठाकुर में से अंतिम संयोजन पर भी नजर रहेगी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं-

भारत: श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, यश ठाकुर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अशोक शर्मा, रवि बिश्नोई, प्रभसिमरन सिंह, रिंकू सिंह।

जिम्बाब्वे: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रियान बर्ल, तनाका चिवांगा, बेन करन, ब्रैड इवांस, वेस्ली मधेवेरे, तदिवानाशे मारुमानी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजरबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगरावा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा, तफाद्जवा त्सिगा।

विश्व कप जीत के बाद भावुक हुए पेड्री और दानी ओल्मो, बोले यह सफलता पूरे स्पेन की

मैड्रिड

फीफा विश्व कप 2026 का खिताब जीतने के बाद स्पेन के स्टार फुटबालर पेड्री गोंजालेज और दानी ओल्मो ने प्रशंसकों के नाम भावुक संदेश साझा करते हुए उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। दोनों खिलाड़ियों ने कहा कि यह ऐतिहासिक सफलता पूरे स्पेन की है। स्पेन ने विश्व कप 2026 के फाइनल में गत चैंपियन अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय में 1-0 से हराकर इतिहास रचते हुए अपना दूसरा फीफा विश्व कप खिताब जीता। विश्व कप जीत के बाद राजधानी मैड्रिड सहित पूरे स्पेन में जश्न का माहौल रहा। हजारों प्रशंसकों के साथ जीत का उत्सव मनाने के बाद मिडफील्डर दानी ओल्मो ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अब भी मेरे पास शब्द नहीं हैं। कल के जश्न में हमारे साथ शामिल होने और पूरे विश्व कप के दौरान लगातार हमारा साथ देने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद। वहीं, स्पेन के युवा मिडफील्डर पेड्री गोंजालेज ने भी भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, सबसे बड़ी सफलता मेरे अपने लोग हैं। हमने साथ मिलकर सपने देखे और साथ मिलकर यह सफर तय किया। फाइनल मुकाबले में अतिरिक्त समय के 106वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी फेरान टोरेस ने निर्णायक गोल कर स्पेन को 1-0 की जीत दिलाई। निको विलियम्स के हेडर पर मिले पास को टोरेस ने गोल में बदलकर स्पेन को विश्व चैंपियन बना दिया। मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते की टीम ने पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और लगातार गोल के मौके बनाए। हालांकि, अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने 12 शानदार बचाव कर अपनी टीम को लंबे समय तक मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन अंततः टोरेस के गोल ने स्पेन को ऐतिहासिक जीत दिला दी। इस जीत के साथ स्पेन ने 16 वर्षों बाद फिर से फीफा विश्व कप ट्राफी अपने नाम की।

जूडो महाकुंभ स्टेट चैंपियनशिप में पदक जीत लौटे खिलाड़ियों का अभिनंदन

मुरादाबाद। लखनऊ में 15 से 20 जुलाई तक आयोजित जूडो महाकुंभ स्टेट चैपियनशिप-2026 में शानदार प्रदर्शन कर पदक जीतने वाले आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी मुरादाबाद के खिलाड़ियों का मंगलवार को स्वागत अभिनंदन हुआ। आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी मुरादाबाद के निदेशक डा. विनोद कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में एकेडमी की अन्वी सक्सेना ने 30 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक, अधीरा टंडन ने 48 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक तथा ख्याति सिंह ने 70 किग्रा से अधिक भार वर्ग में रजत पदक जीतकर अकादमी एवं जनपद का नाम रोशन किया। तीनों खिलाड़ी जूडो कोच मयंक कश्यप के मार्गदर्शन में नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस शानदार प्रदर्शन पर निदेशक डा. विनोद कुमार, डा. जी. कुमार, डा. गौरव कुमार, डा. गरिमा शर्मा, डा. अजय शर्मा, बास्केटबाल कोच मोहित चौधरी तथा स्केटिंग कोच शहवाज़ अली ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों एवं जूडो कोच मयंक कश्यप को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने खिलाड़ियों के उवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी यह सफलता अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

मेक्सिको के दिग्गज गोलकीपर गुइलेर्मो ओचोआ ने लिया संन्यास, 22 साल के करियर का हुआ अंत

मेक्सिको सिटी

मेक्सिको के महान गोलकीपरों में शुमार गुइलेर्मो ओचोआ ने मंगलवार को पेशेवर फुटबाल से संन्यास की घोषणा कर दी। 41 वर्षीय ओचोआ ने अपने 22 साल लंबे शानदार करियर को अलविदा कहा। उन्होंने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि फीफा विश्व कप 2026 उनके करियर का आखिरी टूर्नामेंट होगा। हालांकि इसके बाद उनके किसी नए क्लब से जुड़ने की अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अब उन्होंने उन सभी चर्चाओं पर विराम लगा दिया है।

सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए ओचोआ ने कहा, मैंने अपना सबकुछ झोंक दिया। अपने क्लबों और राष्ट्रीय टीम के लिए मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और आज मैं अपने गोलकीपिंग ग्लव्स उतार रहा हूं। गोलकीपर होना यह जानना है कि शायद 90 मिनट तक आपको सिर्फ एक ही मौका मिले, जब सब कुछ आप पर निर्भर हो। और जब वह पल आए तो आप हिचकिचा नहीं सकते।

ओचोआ मेक्सिको की ओर से छह फीफा विश्व कप की टीम में शामिल होने वाले खिलाड़ियों में रहे। यह उपलब्धि केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी जैसे महान खिलाड़ियों के नाम भी दर्ज है। उन्होंने

2014 (ब्राजील), 2018 (रूस) और 2022 (कतर) विश्व कप में मेक्सिको के प्रथम पसंद गोलकीपर के रूप में जिम्मेदारी निभाई।

ओचोआ ने फरवरी 2004 में क्लब अमेरिका के लिए अपना पेशेवर पदार्पण किया। सात सीजन तक क्लब अमेरिका के लिए खेलने के बाद वह 2011 में फ्रांस के अजाक्सियो क्लब से जुड़े और यूरोप में खेलने वाले मेक्सिको में जन्मे पहले गोलकीपर बने। इसके बाद उन्होंने मालागा, ग्रेनाडा, स्टैंडर्ड लीज, सालेरनिताना, एवीएस फुटबोल और एईएल लिमासोल जैसे क्लबों का भी प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 2019 से 2022 के बीच उन्होंने क्लब अमेरिका में वापसी भी की।

अपने विदाई संदेश में ओचोआ ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक सपना मुझे इतनी दूर तक ले जाएगा। आज मैं गर्व के साथ पीछे मुड़कर देख सकता हूं और सिर्फ इतना कहना चाहता हूं—धन्यवाद। मैं अपने साथ करोड़ों लोगों का प्यार और यह संतोष लेकर जा रहा हूं कि मैंने मेक्सिको के लिए अपना सबकुछ दिया। विश्व कप 2026 में वह मुख्य रूप से राउल रेंगेल के बैकअप गोलकीपर रहे, लेकिन मुख्य कोच जेवियर अगुइरे ने चेक गणराज्य के खिलाफ अंतिम ग्रुप मैच में उन्हें आखिरी 13 मिनट खेलने का मौका दिया। मुकाबले के बाद भावुक ओचोआ ने एस्टाडियो एज़्टेका के गोलपोस्ट को चूमा, जहां से उनके करियर की शुरुआत हुई थी। इसके बाद उन्होंने अपने साथियों से गले मिलकर विदाई ली और दर्शकों के जाने के बाद आखिरी बार मैदान के बीचों-बीच जाकर अपने यादगार सफर को अलविदा कहा। क्लब स्तर पर ओचोआ ने 2005 क्लाजुरा में क्लब अमेरिका के साथ लीग खिताब और स्टैंडर्ड लीज के साथ बेल्जियन कप जीता। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने मेक्सिको को छह कानकाकाफ गोल्ड कप खिताब दिलाने में योगदान दिया और टोक्यो 2020 ओलंपिक में कांस्य पदक भी जीता।

विश्व कप जीतकर 51 साल का इंतजार खत्म करना चाहते हैं: हरमनप्रीत

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हाकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि टीम का लक्ष्य 51 वर्षों से चले आ रहे एफआईएच हाकी विश्व कप खिताब के इंतजार को खत्म कर इतिहास रचना है। उन्होंने विश्वास जताया कि अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संतुलित संयोजन वाली भारतीय टीम विश्व कप में किसी भी प्रतिद्वंद्वी को चुनौती देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में 15 से 30 अगस्त तक होने वाले एफआईएच हाकी विश्व कप 2026 में भारत को पूल-डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगी।

हरमनप्रीत दूसरी बार विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। इससे पहले भारत के एकमात्र विश्व कप विजेता कप्तान अजित पाल

सिंह ने भी दो बार टीम का नेतृत्व किया था। उनके नेतृत्व में भारत ने 1971 में कांस्य और 1975 में विश्व कप खिताब जीता था, जो अब तक भारत का एकमात्र विश्व कप स्वर्ण है।

हरमनप्रीत ने हाकी इंडिया के हवाले से कहा, पेरिस ओलंपिक 2024 में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने के बाद टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। प्रो लीग के अंतिम चरण में हमारे प्रदर्शन ने दिखाया कि हम लगातार बेहतर हो रहे हैं। हमारी तैयारी अच्छी चल रही है और हम विश्व कप के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में निरंतरता सबसे अहम होती है। उन्होंने कहा, हमें हर मैच में बेहतर प्रदर्शन करना होगा, अपनी योजनाओं पर कायम रहना होगा और छोटी-छोटी गलतियों से बचना होगा। विश्व कप में हर अवसर का पूरा फायदा उठाना जरूरी है।

टीम की सबसे बड़ी चुनौती पर हरमनप्रीत ने कहा कि स्ट्राइकिंग सर्कल में आक्रामक और रक्षात्मक दोनों परिस्थितियों में प्रभावी प्रदर्शन करना बेहद महत्वपूर्ण होगा।

उन्होंने कहा, हमारा पूरा ध्यान इस बात पर है कि सर्कल में मिले हर मौके, चाहे वह पेनल्टी कार्नर हो, गोल पर शाट हो या अटैकिंग मूव, उसका अधिकतम लाभ उठाया जाए।

अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संयोजन पर उन्होंने कहा, टीम का संतुलन बहुत अच्छा है। हाल के मुकाबलों में हमने दुनिया की मजबूत टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। अनुभवी खिलाड़ी युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं और सभी का लक्ष्य एक ही है— विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना।

कप्तानी के दबाव पर हरमनप्रीत ने कहा, मेरे लिए बड़े टूर्नामेंट में पदक जीतना हमेशा व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक महत्वपूर्ण रहा है। 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना गर्व की बात है, लेकिन टीम की सफलता ही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है।

पेद्दापल्ली में केंद्र सरकार के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, पीएम का पुतला दहन

पेद्दापल्ली, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकारी व्हिप व विधायक चिंताकुंटा विजयरामन राव के नेतृत्व में बुधवार को राजीव गांधी रोड, कमान क्रॉसिंग पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। विधायक ने आरोप लगाया कि तीन महीने पहले नीट पेपर लीक से लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर है, कई छात्रों ने आत्महत्या की है। उन्होंने मृतक छात्रों के परिजनों को एक करोड़ मुआवजा और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की।इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी का पुतला दहन करने का प्रयास किया, जिसे एसीपी गज्जी कृष्णा और पुलिस टीम ने रोक दिया। विधायक ने राहुल व प्रियंका गांधी की कथित गिरफ्तारी को अलोकतांत्रिक बताया।

श्रीनिवास ने संभाला बांसवाड़ा सरकारी अस्पताल के अधीक्षक का कार्यभार

बांसवाड़ा, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। डॉ. एम. श्रीनिवास ने मंगलवार को बांसवाड़ा राजकीय क्षेत्रीय अस्पताल के अधीक्षक का पदभार ग्रहण किया। इससे पूर्व यह पद संभाल रहे डॉ. विजय भास्कर का स्थानांतरण आर्मूर सरकारी अस्पताल कर दिया गया है। पदभार ग्रहण करने के बाद डॉ. श्रीनिवास ने कहा कि मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना और सरकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सक व कर्मचारी उपस्थित थे।

कागजनगर में अ. भा. मारवाड़ी महिला सम्मेलन की जिला इकाई गठित

सिरपुर कागजनगर, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की तेलंगाना-आंध्र प्रदेश इकाई के तहत कागजनगर जिला इकाई का गठन किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमारी बाल्दी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को चार्टर व पिन सौंपा। जिला अध्यक्ष प्रभा बलदवा, सचिव शीतल सोनी, कार्याध्यक्ष नीता झवर, कोषाध्यक्ष कंचन सोनी और संगठन मंत्री आरती शर्मा को जिम्मेदारी दी गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष शानू वर्मा, प्रदेशाध्यक्ष शोभा डागा, लीला बजाज व अलका सांखला मौजूद रहीं। वक्ताओं ने संस्था की 15 सेवा समितियों और महिला सशक्तिकरण के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

दिल्ली में कांग्रेस के प्रदर्शन के विरोध में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का धरना

हैदराबाद, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश की राजधानी दिल्ली में कांग्रेस नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री आवास के निकट किए गए प्रदर्शन के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा ने हैदराबाद में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन आयोजित किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस पर देश में अराजकता का माहौल बनाने का आरोप लगाया गया।

यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में मुकेश जैन चौहान ने बताया कि कांग्रेस के नेता देश का माहौल खराब करने तथा विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा देने का कार्य कर रहे हैं। इसी के विरोध में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा शांतिपूर्ण प्रदर्शन आयोजित किया गया।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध का अधिकार सभी को है, किंतु देश में अशांति और अराजकता फैलाने का प्रयास किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने कहा कि कांग्रेस अराजकता की राजनीति करना चाहती है, जबकि भाजपा लोकतंत्र और संविधान के साथ मजबूती से

खड़ी है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी तथा श्री राहुल गांधी के उन बयानों और गतिविधियों की कड़ी निंदा की जाती है, जिनका उद्देश्य अशांति फैलाना तथा लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को अस्थिर करना है।

उन्होंने कहा कि भारत की जनता ने अपना लोकतांत्रिक जनादेश दिया है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए। अराजकता की राजनीति किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। धरना-प्रदर्शन के दौरान भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, हरप्रीत सिंह गुलाटी, मोहिंदर पाल सिंह, जसपाल सिंह टुटेजा, सतपाल सिंह छाबड़ा, गुरुचरणजीत सिंह, मोहम्मद गजनी, मनदीप सिंह, नसीर, सुमित सिंह माखीजा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ललित मोदी लौटेंगे घर
ईडी जुर्माना मामले में मिली राहत

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक ललित मोदी 16 साल के लंबे अंतराल के बाद भारत लौटने की तैयारी कर रहे हैं। एक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने 16 जुलाई को आईपीएल 2009 के दक्षिण अफ्रीका में आयोजन से जुड़े विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। ट्रिब्यूनल ने ललित मोदी को बड़ी राहत देते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उन पर लगाए गए करोड़ों रुपये के जुर्माने को पूरी तरह रद्द कर दिया है।

फैसले के बाद ललित मोदी ने स्पष्ट किया कि अब उनके भारत वापसी का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। वह इस साल के अंत तक या अगले साल की शुरुआत में भारत लौट सकते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी अक्टूबर में बच्चे को जन्म देने वाली है, जिसके बाद ही उन्होंने भारत आने की योजना बनाई है।

यह पूरा मामला साल 2009 में आईपीएल को भारत से दक्षिण अफ्रीका ले जाने से जुड़ा है। उस समय देश में लोकसभा चुनाव के चलते सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट को दक्षिण अफ्रीका स्थानांतरित किया गया था। इस सफल आयोजन के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका में लगभग 243.45 करोड़ भेजे थे। बाद में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप लगाया कि यह भारी भरकम रकम भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्व मंजूरी के बिना विदेश भेजी गई थी, जो सीधे तौर पर फेमा नियमों का उल्लंघन है। ईडी ने 2011 में इस संबंध में नोटिस जारी किया और 2018 में कार्रवाई करते हुए ललित मोदी समेत बीसीसीआई के कई पूर्व अधिकारियों पर भारी जुर्माना ठोक दिया था।

... तो मैं अनशन तोड दूंगा
वांगचुक ने दिये सकारात्मक संकेत

नई दिल्ली (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले और शिक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर अनशन पर बैठे प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने केंद्र सरकार को एक पत्र लिखा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा और केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह को संबोधित इस पत्र में वांगचुक ने स्पष्ट किया है कि यदि केंद्र सरकार उनकी प्रमुख मांगों पर ठोस और लिखित भरोसा दिलाती है, तो वे अपना अनशन समाप्त कर देंगे। पत्र की शुरुआत में उन्होंने बीती रात अस्पताल आकर उनसे मुलाकात करने और अनशन खत्म करने की अपील के लिए दोनों मंत्रियों का आभार जताया। वांगचुक ने लिखा कि बातचीत के दौरान मंत्रियों ने उन्हें आश्वासन दिया था कि सरकार उनकी चिंताओं पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी।

केबीआर पार्क स्थित गणेश मंदिर में श्रद्धापूर्वक सम्पन्न हुई पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क स्थित इच्छापूर्ति गणेशजी मंदिर में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ भगवान गणेश की पूजा-अर्चना, आरती एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर दूध देने वाले इक्षापूर्ति गणेशजी के दर्शन कर वंदना की तथा मंगलकामनाएँ कीं। इस धार्मिक आयोजन में अजिता शेष ने मुख्य यजमान के रूप में विशेष योगदान दिया। विधि-विधान से सम्पन्न हुई पूजा एवं आरती के पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और भगवान गणेश से सुख, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की प्रार्थना की।

इस अवसर पर राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदावा, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, भोजरेड्डी सेसैया गरु, प्रमोद सरायवाला, दीपक सरायवाला, राहुल सिंघल, सुरेश कुमार अग्रवाल, सीए प्रवीण

अग्रवाल, विजय कुमार थंबी, विजया लक्ष्मी, संध्या अग्रवाल, माया अग्रवाल, अजिता मेदुम सहित अनेक श्रद्धालु एवं भक्तगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन भगवान गणेश के जयघोष एवं प्रसाद वितरण के साथ श्रद्धापूर्वक सम्पन्न हुआ।

मदनूर में बाल विवाह पर जागरूकता सम्मेलन आयोजित

मदनूर, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। महिला एवं बाल कल्याण विभाग के तत्वावधान में जेडपीएचएस स्कूल स्थित महिला सशक्तिकरण केंद्र में बाल विवाह रोकथाम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह, पॉक्सो, साइबर अपराध व पॉश अधिनियम तथा हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। कामारेड्डी पुलिस कलावृंदम टीम ने गीतों व भाषणों से छात्राओं को जागरूक किया। इस अवसर पर एसआई मोहन रेड्डी, एमईओ रामलू, सीडीपीओ कलावती, प्रधानाध्यापक राजेंद्र सहित अन्य उपस्थित थे।

वन महोत्सव के तहत 2000 खजूर के पौधे रोपे गए

मदनूर, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के निर्देश पर वन महोत्सव के तहत बुधवार को गौड़ समाज की ओर से 2000 खजूर के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में सरपंच ऊषा संतोष मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। जिला आबकारी अधिकारी मुकुंद रेड्डी ने कहा कि कामारेड्डी जिले में पौधारोपण अभियान प्रगति पर है और बारिश के मौसम में सभी को पौधा लगाने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर अरुण चंद्रा, सीआई पवन गौड़, सुरेंद्र सिंह, नागेश, सरदार अली, वेंकटेश सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेस...

पहले धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रही थीं और इसके बाद चर्चा की बात कह रही थीं। बता दें कि समाजवादी पार्टी लगातार जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रोटेस्ट को समर्थन दे रही है, जबकि कांग्रेस ने जंतर-मंतर से दूरी बना रखी है।हालांकि बाद में अखिलेश यादव ने इस मामले पर सफाई दी। एक निजी समाचार चैनल से बातचीत में उन्होंने कहा कि अपनी बात कहने के लिए गुस्सा होना चाहिए। कांग्रेस द्वारा पहले धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगने पर अखिलेश ने कहा कि अभी पुलिस की जो बर्बरता है वह मुख्य मुद्दा है। जो पुलिस-प्रशासन का व्यवहार छात्रों के साथ, राहुल जी के साथ और मेरे साथ था, वह मुद्दा भी सदन में आना चाहिए। इस्तीफे के लिए तो पहले दिन से रुके हुए हैं। सदन में बोलने का मौका न मिलने पर अखिलेश ने कहा कि कभी-कभी फ्लोर कॉर्डिनेशन में ऐसा हो जाता है, हम लोग बातचीत से रास्ता निकालेंगे। उन्होंने कांग्रेस नेताओं के साथ किसी भी बहस से इनकार किया और कहा कि जो कमी होगी उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने 'डील' शब्द को स्पष्ट करते हुए कहा, अगर मैं नहीं बोल पाऊं तो क्या मानूं? मैं किसको दोषी ठहराऊं, अपने साथी को या सरकार को?

दूसरी ओर, मंगलवार को आम आदमी पार्टी ने भी कांग्रेस और सरकार के बीच डील होने का आरोप लगाया था। पार्टी नेता संजय सिंह ने कहा कि देश के करोड़ों युवाओं के लिए सोनम वांगचुक पिछले 23 दिनों से आमरण अनशन पर हैं और जंतर-मंतर पर देश का युवा आंदोलन कर रहा है। 20 जुलाई को युवाओं को बर्बरतापूर्वक पीटा गया। कांग्रेस एक महीने से आंदोलन को गाली दे रही है, और अब राहुल गांधी कह रहे हैं, जंतर-मंतर नहीं, हमारे धरने में शामिल हो। आखिर युवाओं के आंदोलन को कांग्रेस क्यों कमजोर करना चाहती है? जंतर-मंतर के आंदोलन में शामिल होने की अपील कांग्रेस क्यों नहीं करती? उन्होंने आरोप लगाया कि सीजेपी के धरने को कमजोर करने के लिए पीएम मोदी ने कांग्रेस को अपने आवास पर धरने पर बिठा दिया।

इस बीच मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) में भी बड़ी टूट देखने को मिली। कॉकरोच जनता पार्टी ने 21 जुलाई 2026 को अपने प्रवक्ता विजेता दहिया को सभी आधिकारिक पदों और जिम्मेदारियों से हटा दिया। इसका कारण एक वायरल वीडियो था, जिसमें प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई और 'चलो संसद' मार्च के समय उन्हें बर्गर खाते हुए दिखाया गया था।

सीजेपी ने इसे बेहद असंवेदनशील करार दिया। पार्टी का कहना था कि जब उनके साथी प्रदर्शनकारी पुलिस लाठीचार्ज, पथराव और हिरासत का सामना कर रहे थे, तब दहिया मार्च से गायब थे और बर्गर खाते हुए वीडियो बना रहे थे। सीजेपी ने आधिकारिक रूप से कहा कि दाहिया का यह आचरण पार्टी के सिद्धांतों और मूल्यों से मेल नहीं खाता, इसलिए उन्हें तुरंत प्रवक्ता पद से हटाया गया और सभी आधिकारिक जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया।

उधर,संसद के मॉनसून सत्र के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनसीपी (शरद पवार) के प्रमुख शरद पवार की मुलाकात ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। इस उच्चस्तरीय बैठक में एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले भी मौजूद थीं। खास बात यह रही कि प्रधानमंत्री से मुलाकात करने से ठीक पहले शरद पवार जंतर-मंतर पहुंचे थे, जहां उन्होंने छात्र नेता अभिजीत दिपके और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आंदोलन को अपना खुला समर्थन दिया था।

इस घटनाक्रम ने विपक्षी दलों के बीच संभावित मतभेदों को लेकर अटकलों का दौर तेज कर दिया है। एक ओर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और शिवसेना (यूबीटी) जैसे प्रमुख दल छात्र आंदोलनों और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं, वहीं शरद पवार की प्रधानमंत्री से इस मुलाकात ने विपक्ष की साझा रणनीति पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्या परिसीमन पर सरकार के साथ आ सकती है एनसीपी?

राजनीतिक चर्चाओं के अनुसार, एनसीपी (एसपी) संसद के आगामी मानसून सत्र में पेश होने वाले प्रस्तावित डिलिमिटेशन बिल को लेकर केंद्र सरकार के रुख का समर्थन कर सकती है। अगर ऐसा होता है, तो विपक्षी गठबंधन के भीतर की दरारें और अधिक स्पष्ट होकर सामने आ सकती हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब प्रकाश आंबेडकर ने भी महाराष्ट्र बंद का आह्वान किया हुआ है।

पवार के इस कदम के पीछे 3 बड़े रणनीतिक कारण

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शरद पवार की इस संतुलन साधने वाली रणनीति के पीछे कई दूरगामी कारण हो सकते हैं-

1.राजनीतिक सौदेबाजी और संवाद क्षमता: वह सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के साथ संवाद के रास्ते खुले रखकर अपनी राजनीतिक क्षमता मजबूत रखना चाहते हैं, जिससे उन्हें इंडिया गठबंधन और एनडीए दोनों के साथ बातचीत की गुंजाइश मिलती रहे।

2.महाराष्ट्र के संसदीय हित: राज्य के राजनीतिक व संसदीय हितों को ध्यान में रखते हुए कुछ महत्वपूर्ण विधायी मुद्दों पर व्यावहारिक रुख अपनाना उनकी रणनीति का हिस्सा है। परिसीमन जैसे मुद्दे पर नरम रुख अपनाकर वह राज्य के प्रतिनिधित्व को सुरक्षित रखने का प्रयास कर सकते हैं।

3.मध्यस्थ और सेतु की भूमिका: शरद पवार सर्वमान्य नेता के रूप में जाने जाते हैं। वे खुद को ऐसे वरिष्ठ राजनेता के रूप में स्थापित रखना चाहते हैं, जो किसी भी राजनीतिक गतिरोध की स्थिति में दोनों पक्षों के बीच संवाद का सेतु बन सके।

हालांकि, प्रधानमंत्री से उनकी इस मुलाकात को लेकर आधिकारिक रूप से कोई राजनीतिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन इस घटनाक्रम ने मानसून सत्र से पहले विपक्षी एकजुटता को लेकर नई बहस जरूर छेड़ दी है। जानकारों का कहना है कि शरद पवार की यह शैली उनकी पुरानी राजनीति का हिस्सा रही है, लेकिन मौजूदा माहौल में यह रणनीति विपक्ष की सामूहिक लड़ाई को कमजोर भी कर सकती है।

छात्रों की ...

जिनमें 2 एसीपी, 2 इंस्पेक्टर और 1 पुलिस जवान शामिल हैं। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने अचानक पथराव क्यों किया, इसके स्पष्ट कारणों की जांच की जा रही है।

पुलिसकर्मी को लिंच करने की कोशिश, उपद्रवियों के हाथ में दिखे हथियार

दिल्ली पुलिस ने एक बेहद गंभीर खुलासा करते हुए बताया कि बुधवार शाम को उग्र भीड़ ने एक पुलिसकर्मी को चारों तरफ से घेर लिया और उसे पटक-पटक कर मारते हुए 'लिंच' करने का प्रयास किया। इस दौरान भीड़ को भड़काने के लिए गाली-गलौज और उकसावेबाजी भी की जा रही थी।

पुलिस के अनुसार, कुछ प्रदर्शनकारियों के हाथों में डंडे थे और भीड़ की ओर से तलवारें तथा खुखरी जैसे धारदार हथियार भी लहराए गए। स्थिति बिगड़ने पर आरएएफ की टीम तुरंत एक्शन में आई और 2-3 आंसू गैस के गोले छोड़कर तथा हल्का बल प्रयोग कर उग्र भीड़ को पीछे खदेड़ा और स्थिति को काबू में किया।

जंतर-मंतर पर लगातार जुट रही भीड़, देश भर से पहुंच रहे प्रदर्शनकारी

उल्लेखनीय है कि नीट पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर मुख्य धरना अभी भी जारी है। बुधवार को प्रदर्शन की रफ्तार और नारेबाजी और अधिक उग्र हो गई। 20 जुलाई के 'चलो संसद' मार्च के दो दिन बीत जाने के बाद भी देश के कोने-कोने से नए समूह बस और ट्रेन से रातभर का सफर तय करके दिल्ली पहुंच रहे हैं।प्रदर्शन स्थल पर स्कूल यूनिफॉर्म पहने बच्चे, कॉलेज छात्र, नौकरीपेशा लोग और बुजुर्ग कंधे से कंधा मिलाकर खड़े नजर आए। पीठ पर बैग लटकाए और हाथों में मुड़े हुए बैनर व प्लेकार्ड लिए लोग लगातार धरना स्थल पर जमा हो रहे हैं। भीड़ को संभालने के लिए वालंटियर्स उन्हें बैठने की जगह दिखा रहे हैं तथा भोजन और पानी के पैकेट बांट रहे हैं, जबकि कई समूह पुलिस बैरिकेड्स के पास एकत्र होकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे हैं।

अयोध्या...

अभी कुछ और सप्ताह लगेंगे। ट्रस्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि विभिन्न प्रकार के दुष्प्रचार और आरोपों के बावजूद श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या में कोई कमी नहीं आई है। न्यासी मंडल ने इसे करोड़ों रामभक्तों की अटूट आस्था और विश्वास का प्रतीक बताते हुए देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं, संत समाज और अवधवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

धार्मिक समिति का पुनर्गठन: संतों के निर्देशन में होगी पूजा-पद्धति

बैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय मंदिर के धार्मिक कार्यों को लेकर रहा। ट्रस्ट ने फैसला किया कि अब राम मंदिर के धार्मिक कार्यों का संचालन संतों के निर्देशन में होगा। मंदिर की पूजा-पद्धति की परंपरागत शुद्धता और प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए धार्मिक समिति का पुनर्गठन भी किया गया है।

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि को धार्मिक समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में जगद्गुरु शंकराचार्य ज्योतिष्पीठाधीश्वर स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती, मध्वपीठाधीश्वर स्वामी विश्वप्रसन्नतीर्थ जी महाराज, महंत दिनेंद्र दास (निर्मोही अखाड़ा), महंत कमलनयन दास (मणिराम दास छावनी), महंत राजकुमार दास (रमावल्लभ कुंज), स्वामी रामानंद दास (रामकथा कुंज), स्वामी मिथिलेश नंदिनी शरण और युगपुरुष स्वामी परमानंद को सदस्य बनाया गया है। ट्रस्ट ने स्पष्ट किया कि मंदिर के धार्मिक कार्यों का दायित्व संत समाज को सौंपा जाएगा और सभी धार्मिक गतिविधियां उनके निर्देशन में संचालित होंगी। ट्रस्ट की इस बैठक को आगामी श्रावण मास की तैयारियों, प्रशासनिक सुधारों और मंदिर प्रबंधन को अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हाईकोर्ट में ...

पुलिस दोनों पक्षों के मोबाइल फोन, संदेश, कॉल विवरण, ई-मेल, फोटो, वीडियो तथा अन्य डिजिटल रिकॉर्ड का परीक्षण करा सकती है। यदि किसी निजी वीडियो के अस्तित्व का दावा सही पाया जाता है, तो यह भी जांच का विषय होगा कि वह कब बनाया गया, किस उपकरण से बनाया गया, किसके पास सुरक्षित है तथा क्या उसका किसी प्रकार से उपयोग, साझा या प्रसारण किया गया। इसी प्रकार यदि किसी डिजिटल सामग्री को हटाने, बदलने या उसके साथ छेड़छाड़ करने के प्रमाण मिलते हैं, तो वे भी जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ऐसे मामलों में वैज्ञानिक परीक्षण और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की प्रमाणिकता न्यायिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण आधार मानी जाती है।

इस बीच तेलंगाना हाईकोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई जारी है। अदालत ने राज्य सरकार से मामले की वर्तमान स्थिति और जांच का विवरण मांगा है। अभी तक न्यायालय ने न तो प्राथमिकी को निरस्त किया है और न ही जांच पर रोक लगाई है। इसका अर्थ है कि महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ अपनी जांच पूर्ववत जारी रखेगा। विधि विशेषज्ञों का मानना है कि इस चरण में न्यायालय सामान्यतः तभी हस्तक्षेप करता है जब प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट हो जाए कि प्राथमिकी में कोई अपराध नहीं बनता या मामला पूरी तरह दुर्भावनापूर्ण है। इसलिए फिलहाल जांच एजेंसी को उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अपना कार्य पूरा करने का अवसर दिया जा रहा है।

मामले में अभी कई महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर सामने आना बाकी हैं। क्या कथित निजी वीडियो वास्तव में मौजूद है? यदि मौजूद है, तो उसकी मूल प्रति किसके पास है? क्या दोनों अधिकारियों के बीच हुए संदेश, कॉल रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल संवाद किसी एक पक्ष के दावों की पुष्टि करते हैं? क्या राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के पास पहले भी इस संबंध में कोई शिकायत पहुंची थी और यदि पहुंची थी तो उस पर क्या कार्रवाई की गई? क्या किसी तीसरे व्यक्ति ने इस पूरे घटनाक्रम को देखा या उसके संबंध में कोई जानकारी दी है? इन सभी पहलुओं की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही संभव होगी।

फिलहाल यह स्पष्ट है कि न तो शिकायतकर्ता महिला अधिकारी के आरोप न्यायालय में सिद्ध हुए हैं और न ही उदय कृष्णा रेड्डी द्वारा किए गए प्रतिवाद अथवा कथित सुसाइड नोट में किए गए दावों की आधिकारिक पुष्टि हुई है। दोनों पक्षों के दावों की सत्यता पुलिस जांच, वैज्ञानिक परीक्षण, गवाहों के बयान और न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर ही निर्धारित होगी। इसलिए वर्तमान स्थिति में किसी भी पक्ष को दोषी या निर्दोष घोषित करना न्यायिक प्रक्रिया के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं होगा।

यह मामला अब केवल दो प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों के बीच व्यक्तिगत विवाद नहीं रह गया है, बल्कि पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में आंतरिक शिकायत प्रणाली, महिला सुरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की विश्वसनीयता और निष्पक्ष जांच प्रक्रिया की प्रभावशीलता की भी बड़ी परीक्षा बन गया है। आने वाले दिनों में महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ की जांच, वैज्ञानिक परीक्षण की रिपोर्ट और तेलंगाना हाईकोर्ट की कार्यवाही इस बहुचर्चित मामले की आगे की दिशा तय करेगी।

संसद में ...

तो सदन में आकर युवाओं के भविष्य पर क्यों नहीं बोलते? दोपहर 2 बजे जब लोकसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, तो तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा टीएमसी से बगावत करने वाली एक महिला सांसद पर की गई कथित अभद्र टिप्पणी का मामला गरमा गया।कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ही कल्याण बनर्जी को शेष पूरे सत्र के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने पारित कर दिया। पीठ पर मौजूद डिप्टी स्पीकर पैनल के कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने कल्याण बनर्जी को तुरंत सदन परिसर छोड़कर जाने का निर्देश दिया।

राज्यसभा में खड़गे अड़े: 'पहले शिक्षा मंत्री का इस्तीफा, फिर होगी चर्चा'

राज्यसभा में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और नेता सदन जे. पी. नड्डा ने विपक्ष के रवैये को गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए चर्चा की बात कही। हालांकि, नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शर्त रखते हुए स्पष्ट किया कि जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते, तब तक कोई चर्चा नहीं होगी।

ट्रंप की...

आसपास स्थित पुल और पावर प्लांट भी शामिल होंगे। ट्रंप की इस चेतावनी के बाद क्षेत्र में तनाव और अधिक गहराने की आशंका बन गई है।ट्रंप की यह धमकी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य संघर्ष चरम पर है। अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ लगातार 11वीं रात बड़ा सैन्य अभियान चलाया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के मुताबिक, मंगलवार देर रात हुए ताजा हमले करीब 75 मिनट तक चले।

सेंटकॉम ने बताया कि अमेरिकी सैन्य बलों ने ईरान की सैन्य गतिविधियों से जुड़े ऑपरेशन सेंटर, समुद्री क्षमता से जुड़े ठिकाने, विमान हैंगर, ड्रोन भंडारण केंद्र और सैन्य लॉजिस्टिक्स से जुड़े बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया। अमेरिका का कहना है कि इन हमलों का मुख्य मकसद होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों के लिए खतरा पैदा करने की ईरान की क्षमता को पूरी तरह कमजोर करना है। अमेरिका ने ईरान पर पिछले तीन महीनों में होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले 30 से ज्यादा वाणिज्यिक जहाजों पर हमला करने का आरोप लगाया है।उल्लेखनीय है कि इस मौजूदा भीषण संघर्ष की शुरुआत 28 फरवरी को हुई थी, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर संयुक्त हमले शुरू किए थे। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल और उन खाड़ी देशों पर हमले किए, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 23 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

संस्कारों के बिना शिक्षा समाज पर बोझ बन जाती है : बंडारू दत्तात्रेय

श्री सरस्वती विद्यापीठ की संस्कार केंद्र कार्यशाला में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर दिया गया जोर

संस्कारवान, राष्ट्रभक्त और उत्तरदायी नागरिक तैयार करने में संस्कार केंद्र निभाएंगे महत्वपूर्ण भूमिका

हैदराबाद, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री सरस्वती विद्यापीठ के तत्वावधान में संचालित विभिन्न संस्कार केंद्रों के संचालकों एवं संयोजकों की एक दिवसीय कार्यशाला का भव्य आयोजन काचीगुड़ा स्थित निंबोलीअड्डा के श्री सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में किया गया। कार्यशाला में संस्कार आधारित शिक्षा, सेवा गतिविधियों के विस्तार तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

सायंकाल आयोजित समापन समारोह की अध्यक्षता विभाग अध्यक्ष श्री परमानंद भंसाली ने की। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में श्री सरस्वती विद्यापीठ के प्रांत संगठन सचिव श्री पतकमूरी श्रीनिवास राव ने विद्यापीठ द्वारा संचालित विभिन्न सेवा एवं संस्कार आधारित गतिविधियों का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि संस्कारों की प्राप्ति माँ की गोद, मंदिर और विद्यालय से होती है।

अनादिकाल से चली आ रही इसी परंपरा के कारण भारतीय संस्कृति और परंपराएँ आज भी जीवंत बनी हुई हैं।

उन्होंने कहा कि केवल अंक, रैंक और रोजगार तक सीमित शिक्षा किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व का समग्र विकास नहीं कर सकती। शिक्षा तभी सार्थक है, जब उसमें नैतिक मूल्य, अनुशासन और संस्कारों का समावेश हो। उन्होंने कहा कि संस्कारों के बिना शिक्षा समाज पर बोझ बन जाती है, क्योंकि संस्कारविहीन व्यक्ति जीवन में वास्तविक सफलता प्राप्त नहीं कर सकता और न ही समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का समुचित निर्वहन कर सकता है।

मुख्य अतिथि ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री सरस्वती विद्यापीठ द्वारा संचालित संस्कार केंद्र समाज में सकारात्मक जागरूकता का वातावरण तैयार करेंगे तथा बच्चों को संस्कारवान, राष्ट्रभक्त, अनुशासित और उत्तरदायी नागरिक के रूप में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विद्यापीठ द्वारा शिक्षा, सेवा और संस्कार के क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे समाज निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

समापन समारोह में विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. सागी कमलाकर शर्मा, समिति के अध्यक्ष बी. शंकर राव, सचिव श्रीमती सुशीला, सदस्य डी.आर.एस. नरेंद्र, प्रधानाचार्या स्रवंती, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर संघचालक श्री रामकृष्ण, प्रांत सेवा प्रमुख श्री जी.वी.एल. शास्त्री, प्रांत सह-सेवा प्रमुख श्री गौरीगारी गंगाधर रेड्डी, आरएसएस प्रचारक रामपल्ली मल्लिकार्जुन, विभाग प्रमुख श्री राघव रेड्डी तथा विभाग शैक्षणिक संयोजक श्री कासोजु भूषण सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इस अवसर पर संस्कार केंद्रों में अध्ययनरत बच्चों को विशिष्ट अतिथियों के करकमलों से विद्यालयीन बैग वितरित किए गए। साथ ही संस्कार केंद्रों के संचालकों एवं संयोजकों को प्रेरणादायक पुस्तकों का वितरण कर समाज में संस्कार आधारित शिक्षा के प्रसार के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया गया।

श्रृंग ऋषि भवन में तुलाभार एवं नन्दोत्सव समारोह भव्यता से संपन्न

हैदराबाद, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्रृंग ऋषि भवन, फीलखाना में बंसीलालजी-केदारमलजी उपाध्याय चुत्रावत खारियाँ नींव परिवार के तत्वावधान में श्रीमती पानीदेवी, धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री केदारमलजी उपाध्याय का तुलाभार समारोह तथा आदित्य उपाध्याय का नन्दोत्सव श्रद्धा, उल्लास एवं भव्यता के साथ संपन्न हुआ। समारोह में परिवारजनों, समाजबंधुओं एवं अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक एवं भक्तिमय वातावरण बना रहा तथा उपस्थित लोगों ने सफल आयोजन के लिए परिवार को शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम की सफलता पर चुत्रावत परिवार के श्रवण श्री द्वारका प्रसाद उपाध्याय का माला एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर रामदेव नागला, घनश्याम उपाध्याय, जगदीश प्रसाद व्यास, जगदीश प्रसाद उपाध्याय, महेंद्र व्यास, सूरजकरण व्यास, शिवप्रसाद व्यास, गणपतलाल तुकार, ओमप्रकाश नागला, महेश उपाध्याय तथा घनश्याम उपाध्याय बोतावत सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

राधे-राधे ग्रुप की निस्वार्थ सेवा में झलकता है शिवत्व का भाव : नंदकिशोर अग्रवाल

हैदराबाद, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास बुधवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि यदि किसी को भगवान शिव के करुणामय, त्यागमय और लोककल्याणकारी स्वरूप का भाव देखना हो तो वह राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सेवा गतिविधियों को देखे। उन्होंने कहा कि यह समूह बिना किसी स्वार्थ, भेदभाव और दिखावे के निरंतर मानव सेवा के पथ पर अग्रसर है। यही सच्ची ईश्वर भक्ति है और यही समाज के प्रति हमारी वास्तविक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि भूखे को भोजन, जरूरतमंद की सहायता और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति सम्मान का भाव ही मानवता का सबसे बड़ा धर्म है। राधे-राधे ग्रुप जिस समर्पण, अनुशासन और सेवा भावना के साथ प्रतिदिन अन्नदान कर रहा है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, भगतराम गोयल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबुराम कुमावत, संजय गोयल, किरण गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल एवं सुमन अग्रवाल सहित अनेक सेवा सहयोगी उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज ने अत्तापुर गौशाला में की गौसेवा

हैदराबाद, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से अत्तापुर स्थित दुर्गा माता मंदिर, रामबाग गौशाला में मासिक गौसेवा कार्यक्रम श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान गौमाताओं को हरित चारा, विभिन्न प्रकार की सब्जियां एवं रोटियां खिलाकर सेवा की गई।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की गौसेवा कोर कमेटी के चेयरमैन मनीष अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि समाज द्वारा प्रत्येक माह हैदराबाद शहर की विभिन्न गौशालाओं में गौसेवा का आयोजन किया जाता है। इस सेवा के अंतर्गत गौमाताओं को हरित घास तथा मौसमी सब्जियां उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह कोर कमेटी की बैठक आयोजित की जाती है, जिसमें अगले माह किस गौशाला में सेवा कार्य किया जाएगा, इसका निर्णय लिया जाता है। चयन के दौरान विशेष रूप से उन गौशालाओं को प्राथमिकता दी जाती है, जिन्हें आर्थिक सहायता की अधिक आवश्यकता होती है और जो आर्थिक रूप से संपन्न नहीं हैं।

मनीष अग्रवाल ने बताया कि गौसेवा के लिए आवश्यक धनराशि कोर कमेटी के सदस्य आपसी सहयोग एवं स्वैच्छिक योगदान से एकत्रित करते हैं। इसी सहयोग से नियमित रूप से गौसेवा अभियान संचालित किया जाता है।

इस माह आयोजित सेवा में गौमाताओं के लिए हरित घास, कद्दू, खीरा, रोटियां सहित अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई।

गौसेवा कार्यक्रम में गौसेवा कोर कमेटी के चेयरमैन मनीष अग्रवाल सहित मुकुंद लाल अग्रवाल, सत्यनारायण फोगला, संजय भालवाले, श्याम अग्रवाल, अंकुर बंसल, सुनील कुमार संघी, गोविंद राज अग्रवाल, मुकेश केडिया, पंकज अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, रिंकू गर्ग, नेहा अग्रवाल, पूजा संघी, संतोष अग्रवाल, यशिका संघी, सीमा अग्रवाल, सुमन गुप्ता, सविता अग्रवाल सहित अनेक समाजजनों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

एसीबी ने की रेडको के मंडल अभियंता के ठिकानों पर छापेमारी

हैदराबाद, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को तेलंगाना अक्षय ऊर्जा विकास निगम (आरईडीसीओ) के मंडल अभियंता (डीई) मुत्यम वेंकटरमणा के आय से अधिक संपत्ति के आरोपों के सिलसिले में उनके आवास और अन्य ठिकानों पर छापेमारी जारी

रखी।पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) माजिद खान की देखरेख में हैदराबाद के माधापुर स्थित अधिकारी के आवास समेत 15 स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। इस कार्रवाई के लिए एसीबी की आठ टीमों को तैनात किया गया है। रिपोर्टों के मुताबिक, तलाशी के दौरान अधिकारियों ने बड़ी मात्रा में नकदी के साथ-साथ चल-अचल संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज जब्त किये हैं। एसीबी के अधिकारियों ने बताया कि इस मामले और मिली संपत्तियों की विस्तृत जानकारी कार्रवाई पूरी होने के बाद दी जायेगी।

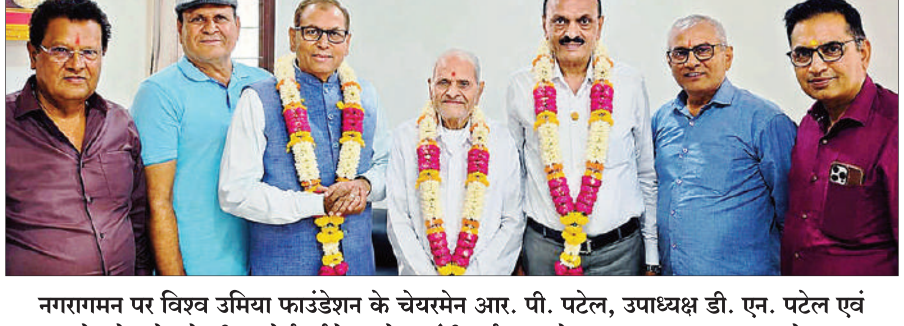

नगरागमन पर विश्व उमिया फाउंडेशन के चेयरमेन आर. पी. पटेल, उपाध्यक्ष डी. एन. पटेल एवं को-चेयरमेन केन्द्रीय ओर्गनाईजेशन के जयंतीभाई एम. पोकार का भव्य स्वागत करते हुए स्वानीनारायण गुरूकुल के साधु सुखवल्लभ स्वामी, साधु धर्मानंद स्वामी, कडवा पाटीदार समाज के वरिष्ठ सदस्य नानजीभाई पटेल, साथ मे जसमत पटेल, समाज अध्यक्ष अमृतभाई पटेल, शंकर पटेल ।

बैलाडीला कबड्डी लीग का आयोजन आज से

एनएमडीसी की सीएसआर पहल से बैलाडीला क्षेत्र के 26 गांवों के खिलाड़ियों को मिलेगा मंच

हैदराबाद, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 23 से 26 जुलाई तक बैलाडीला क्षेत्र के 26 गांवों के कबड्डी खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा और दमखम दिखाने का सुनहरा अवसर मिलेगा। ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उन्हें आगे बढ़ने का राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से नवरत्न कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड अपने नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत ''बैलाडीला कबड्डी लीग'' का आयोजन कर रही है।

प्रतियोगिता में बचेली एवं किरंदुल क्षेत्र की कुल 26 ग्राम पंचायतों की 24 टीमें भाग लेंगी। बचेली क्षेत्र के मोलसनार, दुगेली, पाढ़ापुर, बेनपाल, बड़े कमेली, कमालूर, झिरका, धुरली, गामावाड़ा, नेरली, बड़े बचेली, मसेनार, गंजेनार एवं भांसी गांवों की टीमें प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। वहीं, किरंदुल क्षेत्र से कोडेनार, कड़मपाल, मदाड़ी, चोलनार, टिकनपाल, कलेपाल, समलवार, मड़कामिरास, हिरोली, कुटरेम, गुमियापाल एवं तनेली के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

प्रतियोगिता के लीग मुकाबले किरंदुल स्थित फुटबॉल स्टेडियम तथा बचेली के हॉकी मैदान में आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिता का उदघाटन एवं समापन समारोह एनएमडीसी टाउनशिप बचेली स्थित हॉकी मैदान में होगा। इस लीग के सफल आयोजन के लिए वाटर प्रूफ जर्मन हेंगर की व्यवस्था की गई है । मैदान पर खिलाड़ियों की सहूलत के लिए सिंथेटिक रबर मैट बिछाई जा रही है।

एनएमडीसी एनएमडीसी
NMDC
Responsible Mining

एनएमडीसी द्वारा सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट एवं प्रतियोगिता के लिए आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना, युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करना तथा स्थानीय खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है।

प्रतियोगिता के दौरान संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंचों सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों, एनएमडीसी के हैदराबाद मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों तथा एनएमडीसी की बैलाडीला लौह अयस्क खदान, किरंदुल एवं बचेली परियोजनाओं के अधिकारियों एवं कार्मिकों तथा श्रम संघ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता टीमों के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

एनएमडीसी का यह आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कंपनी अपने सीएसआर कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, कौशल विकास एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्र में सतत कार्य करते हुए स्थानीय समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

एनएमडीसी द्वारा बालिका शिक्षा योजना के तहत संपूर्ण प्रायोजित

200 नर्सिंग सीटों के लिए आवेदन आमंत्रित

हैदराबाद, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत की सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी ने शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए अपनी प्रमुख बालिका शिक्षा योजना (बीएसवाई) के अंतर्गत संपूर्ण प्रायोजित 200 नर्सिंग सीटों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। छत्तीसगढ़ के छह जिलों की पात्र अनुसूचित जनजाति (एस टी) की बालिकाओं से आवेदन आमंत्रित करते हुए प्रवेश अधिसूचना प्रकाशित की गई है।

एनएमडीसी की नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के तहत कार्यान्वित इस कार्यक्रम में बी.एससी. नर्सिंग के लिए 110 सीटें और जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) के लिए 90 सीटें प्रदान की जाती हैं। चयनित उम्मीदवारों को पूरी तरह से नि:शुल्क व्यावसायिक नर्सिंग शिक्षा प्राप्त होगी, जिसमें एनएमडीसी ट्यूशन फीस, छात्रावास आवास, अध्ययन सामग्री, यूनिफॉर्म, परीक्षा शुल्क और अन्य शैक्षणिक खर्चों का पूरा व्यय की जाएगी ।

यह कार्यक्रम विशेष रूप से बस्तर, दंतवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, कोंडागांव और नारायणपुर जिलों की उन अनुसूचित जनजाति (एसटी) की बालिकाओं के लिए है, जिनके परिवार की वार्षिक आय 72,000 से अधिक न हो। आवेदकों की आयु 17 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। बी.एससी. नर्सिंग कोर्स में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों का नीट-2026 उत्तीर्ण होना अनिवार्य है, जबकि बी.एससी. नर्सिंग और जीएनएम (जीएनएम) दोनों पाठ्यक्रमों के आवेदकों को विज्ञान विषय (भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान) एवं अंग्रेजी के साथ 12वीं कक्षा में निर्धारित न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त होना आवश्यक है। चयनित छात्राएं देश के प्रमुख संस्थानों में अपनी नर्सिंग शिक्षा पूरी करेंगी, जिनमें अपोलो स्कूल ऑफ नर्सिंग, हैदराबाद, अपोलो कॉलेज ऑफ नर्सिंग, चित्तूर, एसआरएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग, चेन्नई, किम्स (केआईएमएस) कॉलेज ऑफ नर्सिंग, हैदराबाद, यशोदा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, हैदराबाद शामिल हैं।

जब तक धर्मेंद्र प्रधान को हटाया नहीं जाता, आंदोलन जारी रहेगा

रेवंत ने लोगों से मोदी को हराने और राहुल को पीएम चुनने का किया आह्वान

कोडंगल (तेलंगाना), 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को घोषणा की कि जब तक राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को केंद्रीय मंत्रिमंडल से हटाया नहीं जाता, तब तक कांग्रेस देशव्यापी आंदोलन जारी रखेगी। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लोकतांत्रिक तरीके से हराने और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को देश का अगला प्रधानमंत्री चुनने का आह्वान किया।

नीट पेपर लीक के खिलाफ कोडांगल में एक विरोध धरना को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस तब तक अपनी लड़ाई जारी रखेगी, जब तक श्री प्रधान को केंद्रीय मंत्रिमंडल से हटा नहीं दिया जाता। उन्होंने आरोप लगाया कि देश भर के छात्रों और मेडिकल अभ्यर्थियों को प्रभावित करने वाले इस संकट के लिए मंत्री ही जिम्मेदार हैं।

श्री रेड्डी ने इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा की और इसे लोकतांत्रिक अधिकारों तथा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा स्थापित संवैधानिक मूल्यों पर हमला बताया। उन्होंने कहा कि परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने से विद्यार्थियों का भविष्य दांव पर लग गया है और उन्होंने केंद्र सरकार से जवाबदेही की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों को अपना समर्थन दिया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में पेपर लीक की कई घटनाएं हुई हैं, जिससे युवाओं और छात्रों का करियर प्रभावित हुआ है। उन्होंने प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई न करने को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाये।

श्री रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस नेताओं श्री राहुल गांधी और श्रीमती प्रियंका गांधी ने विद्यार्थियों के समर्थन में प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन किया था और जोर देकर कहा कि विरोध करने का अधिकार संविधान के तहत गारंटीकृत है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई के दौरान श्री गांधी को चोटें आयीं और उन्होंने कहा कि गांधी परिवार का देश के लिए त्याग का इतिहास रहा है।

भाजपा और बीआरएस को निशाना बनाते हुए श्री रेड्डी ने आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री के.टी. रामा राव से जुड़ी एक फर्जी कंपनी ग्लोबारेना, 2019 के तेलंगाना इंटरमीडिएट परीक्षा परिणामों में गड़बड़ियों के लिए जिम्मेदार थी। उन्होंने दावा किया कि कंपनी ने बाद में अपना नाम बदल लिया और दिल्ली में भाजपा के साथ तालमेल करके ठेके हासिल किये। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाठीचार्ज का सामना करना कांग्रेस के लिए नया नहीं है, और उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम में पार्टी की भूमिका को याद किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्री प्रधान पर देश के युवाओं को विफल करने का आरोप लगाते हुए श्री रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस अपना आंदोलन जारी रखेगी और विद्यार्थियों के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने लोगों से एकजुट होने और भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने तथा भविष्य में राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में चुनने के लिए काम करने का आह्वान किया।

एसआईआर में एससी, एसटी, अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम हटाने की साजिश रच रही है भाजपा: रेवंत

कोडांगल , 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मतदाता सूची के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम हटाने की साजिश रच रही है।

श्री रेड्डी ने कोडांगल विधानसभा क्षेत्र के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) की बैठक को संबोधित करते हुए दावा किया कि कोडांगल में कांग्रेस को कमजोर करने के लिए भाजपा और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने हाथ मिला लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अलग-अलग नाम होने के बावजूद भाजपा और बीआरएस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और कोडांगल में उनके राजनीतिक आधार को कमजोर करने तथा राज्य स्तर पर उनके नेतृत्व को नुकसान पहुंचाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

विपक्षी दलों पर कांग्रेस समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटाने का प्रयास करने का दावा करते हुए श्री रेड्डी ने कहा कि चूंकि वे सीधे तौर पर उनका मुकाबला करने में असमर्थ हैं, इसलिए वे पीठ में छुरा घोंपने की राजनीति का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने जोर दिया कि कोडांगल की जनता ऐसे प्रयासों को राजनीतिक रूप से विफल कर देगी। एसआईआर प्रक्रिया की प्रगति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि हालांकि 1,96,620 मतदाताओं ने अपने आवेदन जमा कर दिए हैं, लेकिन लगभग 54,635 लोग अभी भी पंजीकरण प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाये हैं, जो कुल मतदाताओं का लगभग 22 प्रतिशत है।

एसआईआर प्रक्रिया की समय सीमा तीन अगस्त को समाप्त होने का जिक्र करते हुए उन्होंने बीएलए को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी पात्र मतदाता नामांकन प्रक्रिया पूरी करें और उन्हें मतदाता सूची से कांग्रेस समर्थकों के नाम हटाए जाने के प्रति आगाह किया। अपना वोट खोने को अपनी पहचान खोने के समान बताते हुए उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर सत्यापन फॉर्म भरने में मतदाताओं की सहायता करने और चुनाव अधिकारियों के साथ समन्वय करने का आग्रह किया ताकि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाये।

गांधी भवन मार्च के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव को लिया हिरासत में, नामपल्ली में तनाव

हैदराबाद, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस पार्टी की कथित टिप्पणियों के विरोध में गांधी भवन की ओर एक विरोध रैली का नेतृत्व कर रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव को बुधवार को पुलिस ने हिरासत में लिया। प्रस्तावित घेराव को रोकने के लिए नामपल्ली स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय और गांधी भवन के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस कर्मियों ने भाजपा कार्यालय को घेर लिया और जैसे ही पार्टी नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के राज्य मुख्यालय की ओर मार्च करने का प्रयास किया, उन्हें रोक दिया गया। भाजपा प्रदेश कार्यालय से रैली का नेतृत्व कर रहे श्री राव को जुलूस के गांधी भवन पहुंचने से पहले ही रोक कर पुलिस ने हिरासत में ले लिया। प्रदर्शन के दौरान कई अन्य भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की गिरफ्तारी के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और पुलिस पर लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों को दबाने का आरोप लगाया।भाजपा ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति कांग्रेस पार्टी के कथित अपमानजनक आचरण के विरोध में इस रैली का आयोजन किया था। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस ने इलाके में मजबूत सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी, जबकि गिरफ्तारियों के बाद कुछ समय के लिए नामपल्ली में तनाव की स्थिति बनी रही।

सेंट मैरी कॉलेज के बी.फार्मेसी छात्रों ने किया एनआईआईएमएच का शैक्षणिक दौरा

हैदराबाद, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): यादाद्री जिले के पोचमपल्ली मंडल अंतर्गत देशमुखी गांव स्थित सेंट मैरी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के बी.फार्मेसी द्वितीय वर्ष के 44 छात्र-छात्राओं ने 22 जुलाई 2026 को गड्डीअन्नारम स्थित राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान का शैक्षणिक एवं अनुसंधान आधारित दौरा किया।

इस दौरे का मुख्य उद्देश्य आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की प्रगति को समझना और उससे प्रेरणा लेना था। दौरा कॉलेज प्राचार्य डॉ. रवि कुमार तथा सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रियंका की देखरेख में आयोजित हुआ।

संस्थान के सहायक निदेशक प्रभारी डॉ. जी.पी. प्रसाद ने संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी तथा चिकित्सा छात्रों के लिए उपलब्ध विभिन्न ऑनलाइन पोर्टलों नामस्ते , साही, अमर, ई-मेधा और आरएमआईएस के बारे में विस्तार से बताया। संस्थान के शोध अधिकारियों ने वहां चल रहे विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों की जानकारी भी दी।

प्राचीन चिकित्सा ज्ञान का अनुभव

संस्थान भारत की एकमात्र प्रमुख संस्था है जो देश की प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों, आयुर्वेद के इतिहास और चिकित्सा विरासत के संरक्षण का कार्य करती है। डॉ. टी. साकेत ने छात्रों को भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की जड़ों और उनके महत्व से अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. संतोष माने ने चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, बसवराजीयम और अष्टांग संग्रह जैसे दुर्लभ ग्रंथों के श्लोकों का पाठ किया और उनके गहन अर्थ व व्यावहारिक महत्व को समझाया।

दौरे के अंत में संस्थान के वरिष्ठ शोध अध्येता डॉ. अक्षय, पुस्तकालयाध्यक्ष के. श्रीनिवास राव और पुस्तकालय सहायक वर्षा कुमारी ने छात्रों को प्राचीन पुस्तकों, ताड़पत्र पांडुलिपियों तथा चिकित्सा इतिहास से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर डॉ. श्रीदेवी (अनुसंधान अधिकारी-आयुर्वेद), डॉ. बिश्वरंजन दास (अनुसंधान अधिकारी-होम्योपैथी), डॉ. अशफाक अहमद (यूनानी) सहित संस्थान के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कॉलेज के फार्मेसी विभागाध्यक्षों ने कहा कि यह दौरा छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने तथा फार्मेसी क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहित करने में सहायक सिद्ध होगा।

सेवा के संस्कार ही समाज को सशक्त बनाते हैं : उमाकांत गुप्ता

हैदराबाद, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया। सेवा के इस पुनीत कार्य में सभी स्वयंसेवकों ने पूरे समर्पण और श्रद्धा के साथ सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उमाकांत गुप्ता ने कहा कि सेवा का भाव संस्कारों से आता है। जिस परिवार और समाज में सेवा, करुणा और परोपकार के संस्कार दिए जाते हैं, वहाँ से ऐसे नागरिक तैयार होते हैं जो दूसरों के दुख-दर्द को अपना समझकर उनकी सहायता के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ सेवा ही मानव जीवन का सबसे बड़ा धर्म है और अन्नदान जैसा पुण्य कार्य समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने सभी लोगों से अपने जीवन में समय-समय पर सेवा कार्यों से जुड़ने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुँचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में सेवा कार्य संपन्न हुआ।

इस अवसर पर आशा अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, उमा डालमिया, भंवरलाल गुप्ता, प्रमोद गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा को निरंतर आगे बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों को इस पुण्य अभियान से जोड़ने का संकल्प लिया।

करीमनगर में नकाबपोश बदमाशों ने एक परिवार को बंधक बनाकर सोना, चांदी समेत 21 लाख नकद लूटा

करीमनगर, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के करीमनगर शहर में मंगलवार देर रात आठ नकाबपोश बदमाशों ने एक परिवार को बंधक बनाकर करीब 66 तोला सोना, चांदी के आभूषण और 21 लाख रुपये नकद लूट लिये।

पुलिस के अनुसार, भगतनगर चौराहे के पास यह घटना उस समय हुई जब मकान मालिक बत्ती बंद करने के लिए बाहर निकला था। हमलावरों ने पीछे से उसे दबोच लिया और जबरन घर में घुस गये तथा चाकू एवं बंदूक की नोक पर बुजुर्गों समेत परिवार के चार सदस्यों को धमकाया। पीड़ितों को करीब डेढ़ घंटे तक बांधकर रखा गया। चीख-पुकार बाहर न सुने जाने से रोकने के लिए लुटेरों ने सोना-चांदी और नकदी लूटने से पहले टेलीविजन की आवाज तेज कर दी थी। गिरोह ने फरार होने से पहले घर के बाहर खड़ी दो दोपहिया गाड़ियां भी चुरा लीं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। सबूत जुटाने और आरोपियों का सुराग लगाने के लिए टीमों को काम पर लगाया गया है।

इस बीच केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने नई दिल्ली से फोन पर बात कर करीमनगर के पुलिस आयुक्त गौस आलम से घटना की जानकारी ली। उन्होंने पुलिस को लुटेरों से सख्ती से निपटने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का निर्देश दिया। पुलिस आयुक्त ने केंद्रीय मंत्री को सूचित किया कि जांच तेज कर दी गयी है और अपराधियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए विशेष टीमें काम कर रही हैं।

केए पॉल ने प्रधानमंत्री से नीट विरोध के मुद्दे को सुलझाने का आग्रह किया

हैदराबाद/वाशिंगटन डीसी., 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की प्रजा शांति पार्टी के अध्यक्ष डॉ. के. ए. पॉल ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से नीट मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों से तुरंत बातचीत करने और यह सुनिश्चित करने की अपील की कि पुलिस शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग से बचे। वाशिंगटन डीसी से जारी एक वीडियो बयान में श्री पॉल ने छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के दृश्यों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मीडिया के माध्यम से इन घटनाओं को देखा है। उन्होंने कहा कि नीट मुद्दे पर न्याय के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई से वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री से बिना किसी देरी के छात्रों से मिलने, उनकी समस्याओं का समाधान करने और देश के युवाओं के भविष्य की रक्षा करने का आग्रह किया। श्री पॉल ने केंद्रीय गृह मंत्री से भी अपील की कि वे पुलिस को शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग न करने का निर्देश दें और इसके बजाय सौहार्दपूर्ण ढंग से मुद्दे को सुलझाने के लिए बातचीत का माहौल बनाएं। उन्होंने कहा कि छात्रों की चिंताएं तुरंत ध्यान दिए जाने योग्य हैं और केंद्र सरकार युवाओं में विश्वास बहाल करने और इस मामले को जल्द से जल्द सुलझाने के लिए त्वरित कदम उठाए।

कविता ने तेलंगाना सरकार से गिग श्रमिकों के मुद्दों में हस्तक्षेप करने और उचित दरें सुनिश्चित करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना रक्षण सेना (टीआरएस) की अध्यक्ष के. कविता ने बुधवार को तेलंगाना सरकार से गिग श्रमिकों, ऑटो-रिक्शा चालकों, कैब चालकों और डिलीवरी कर्मियों के सामने आ रही समस्याओं में तुरंत हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। उन्होंने आरोप लगाया कि एग्रीगेटर कंपनियां अनुचित किराया ढांचे के माध्यम से उनका शोषण कर रही हैं।

सुश्री कविता ने बंजारा हिल्स स्थित पार्टी कार्यालय से जारी एक वीडियो बयान में कहा कि ओला, उबर, रैपिडो, स्विगी और जोमैटो जैसी कंपनियों से जुड़े लाखों श्रमिक लंबे समय तक काम करने के बावजूद अपना गुजारा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क पर पूरा दिन बिताने के बाद चालक अक्सर बिना किसी कमाई के घर लौटते हैं, जबकि मौजूदा भुगतान ढांचे के कारण डिलीवरी कर्मी भी उचित आय अर्जित करने में विफल रहते हैं। उन्होंने कहा कि श्रमिक पिछले तीन वर्षों से दरों में संशोधन की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार उदासीन बनी हुई है।

सुश्री कविता ने राज्य सरकार से एग्रीगेटर कंपनियों के साथ तुरंत चर्चा करने और ऑटो-रिक्शा चालकों, कैब चालकों, बाइक-टैक्सी ऑपरेटरों और खाद्य वितरण श्रमिकों के लिए उचित दरें तय करने का आह्वान किया।

गिग श्रमिकों द्वारा काम रोके जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनके विरोध प्रदर्शन के हिस्से के रूप में दोपहर तक भोजन वितरण, ऑटो-रिक्शा और कैब जैसी सेवाएं निलंबित रहीं। उन्होंने सरकार से इस मुद्दे को हल करने और ऐसी स्थितियों को दोबारा होने से रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया।

राहुल की गिरफ्तारी संविधान और लोकतंत्र का अपमान: विक्रमार्क

हनमकोंडा, 22 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सांसद प्रियंका गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी की कड़े शब्दों में निंदा की और इसे संविधान और लोकतंत्र का अपमान बताया।

श्री भट्टी विक्रमार्क ने आज दिल्ली में नीट अनियमितताओं के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित पुलिस कार्रवाई के विरोध में प्रधानमंत्री आवास के पास प्रदर्शन करने वाले कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ हनमकोंडा सेंटर में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की मूर्ति पर धरना दिया। प्रदर्शन से पहले नेताओं ने संविधान निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान विधायक नैनी राजेंद्र रेड्डी, नागराजू तथा कांग्रेस के कई जनप्रतिनिधि और पार्टी नेता भी मौजूद रहे।

सभा को संबोधित करते हुए श्री विक्रमार्क ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने छात्रों की चिंताओं को दूर करने के बजाय विपक्षी नेताओं को हिरासत में लेकर निरंकुश कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कथित नीट पेपर लीक ने करोड़ों छात्रों के भविष्य को दांव पर लगा दिया है और उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रही छात्राओं सहित अन्य छात्रों पर हुए कथित पुलिस लाठीचार्ज की आलोचना की। उपमुख्यमंत्री ने नीट पेपर लीक के लिए नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.